पौष शुक्ल पक्ष - 13, 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 179 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

भोपाल
01 जनवरी 2026 गुरुवार

आज का मौसम
27.5 अधिकतम
10.6 न्यूनतम

दिग्विजय के बयान पर बवाल और.. बचाव में आए बेटे जयवर्धन के तीखे तेवर

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

बेन मैपिंग ऑफ दिग्विजय सिंह - पार्ट 3

पूर्व सांसद सत्यव्रत चतुर्वेदी की बेटी निधि ने अपने पिता के धुर विरोधी रहे दिग्विजय सिंह को उनकी पोस्ट को लेकर घेरने की कोशिश की तो दिग्विजय सिंह के बेटे पूर्व मंत्री एवं विधायक जयवर्धन सिंह ने भी खुलकर अपने पिता के पक्ष में मोर्चा संभाल लिया है। दिग्विजय की पत्नी अमृता सिंह ने भी एक शेर के जरिए अपने पति का बचाव किया है। जयवर्धन सिंह ने अपने पिता की पोस्ट को लेकर मचे बवाल के बीच फेसबुक पर दो पोस्ट डाली हैं। एक पोस्ट में उन्होंने राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान जमीन पर सोते हुए अपने पिता की फोटो के साथ कांग्रेस के प्रति उनके समपर्ण का जिक्र किया है। उन्होंने कहा कि दिग्विजय सिंह जी पद और सत्ता से ऊपर सिद्धांतों को रखते हैं। जरूरत पड़ी तो वो राजनीति से सन्यास ले सकते हैं ,पर कांग्रेस छोड़ना या भाजपा की राह पकड़ना उनके संस्कारों में नहीं हैं। संगठन में सुधार की बात करना विद्रोह नहीं बल्कि सच्ची निष्ठा की पहचान है। जो गलत पर सवाल उठाता है वही संगठन को मजबूत करता है। उनकी दूसरी पोस्ट में कहा गया है कि यदि दिग्विजय सिंह कांग्रेसी नहीं तो कोई कांग्रेसी नहीं है। इसमें जयवर्धन ने कांग्रेस के भीतर गुटबाजी और पुत्रमोह की बात भी मानी है। लेकिन उसके औचित्य को भी साबित करने की कोशिश की है। जयवर्धन ने कहा कि उनके पिता के एक बयान को लेकर सशोल मीडिया के जरिए उन पर मूर्खतापूर्ण आरोप लगाए जा रहे हैं । उन्होंने कहा, ये ठीक है कि वे कांग्रेस की आम राजनीतिक संस्कृति से लबरेज हैं, जिसमें गुटबाजी एक अहम भाग है। उन्होंने यह भी माना कि गुटबाजी से कांग्रेस को नुकसान होता रहा है। लेकिन लोकतान्त्रिक संगठनों विचार या गुट क्यों नहीं होना चाहिए। क्या सारे विचार और बुद्धि का ठेका शीर्ष नेतृत्व लेकर रखे और बाकी देश भर में करोड़ों सदस्य सब उसी मालिक का एम्पलीफायर रिकार्ड बजाने वाले बुद्धिहीन रोबोट हों? तो ऐसा संगठन एक फासिस्ट संगठन होता है। कांग्रेस सब कुछ हो सकती है पर महात्मा गांधी की लीगेसी उसे फासिस्ट नहीं होने दे सकती। तो... थरूर हों या दिग्विजय सिंह, बोलने की आजादी बनी रहनी चाहिए। वे विद्वान आदमी हैं। उन्हें बोलते रहना चाहिए। उनका बोला सुना जाना चाहिए। कुछ माना जाना चाहिए , कुछ रिजेक्ट करने लायक भी हो सकता है। लेकिन विशेषकर दिग्विजय सिंह के लिए कोई कहे कि वह बीजेपी में जले जाएंगे या वे कांग्रेस को जमींदोज करने के षड़यंत्रों में शामिल हैं, तो इससे बड़ी मूर्खतापूर्ण बात कोई नहीं हो सकती। जयवर्धन मानते हैं कि पुत्र मोह के अलावा दिग्विजय सिंह में कोई ऐब नहीं है। यह भी कोई अमानवीय बात नहीं । आगे नाथ न पीछे पगहा वाले नेताओं ने देश का जो गहरा नुकसान कर डाला है वैसा पारिवारिक लोग नहीं कर सकते। अगर दिग्विजय सिंह कांग्रेस के शुभचिंतक नहीं तो दुनिया में कोई और शुभ चिंतक होने का दावा न करे। उनके खिलाफ बड़े बोल बोलने वाले तो कतई नहीं। आप दिग्विजय सिंह से बड़े कांग्रेसी नहीं हो सकते। पति की आलोचना को लेकर टीस अमृता सिंह की पोस्ट में भी दिखती है जिसमें इस शेर का इस्तेमाल किया है। वो कत्ल भी करते हैं तो चर्चा नहीं होती हम आह भी भरते हैं तो हो जाते हैं बदनाम। अब जयवर्धन सिंह की इन दो पोस्ट का क्या मतलब निकाला जाए। जाहिर सी बात है कि उनके पिता ने कांग्रेस में संगठन की मजबूती के लिहाज से जो बात संकेतों में कही उसे उनके बेटे ने और साफ़ कर दिया। गुटबाजी को स्वीकार भी किया और लोकतंत्र में उसकी अहमियत बताते हुए परिभाषित भी कर दिया। यह संदेश भी दे दिया कि शीर्ष नेतृत्व तानाशाही की राह पर न चले। यानि वो जो कहें वही सही बाली बात नहीं होनी चाहिए। महात्मा गांधी का जिक्र करके जयवर्धन ने यह भी संकेत या संदेश दिया कि कांग्रेस को वामपंथ छोड़कर बापू के रामपथ पर लौटना चाहिए। दिग्विजय सिंह के बयान से तिलमिलाए राहुल गांधी ने अपनी नाराजगी का इजहार तो संकेतों में कर दिया लेकिन उनके बेटे की साफगोई को वो कितनी दरियादिली से लेते हैं, यह आने वाला वक्त ही तय करेगा। **(समाप्त)**

न्यूज विंडो

एअर इंडिया के पायलट ने पी शराब, हिरासत में लिया

वैंकूवर, एजेंसी। कनाडा के वैंकूवर एयरपोर्ट पर एअर इंडिया के एक पायलट को नशे की हालत में हिरासत में लिया गया। पायलट को मुंह से शराब की गंध आने के बाद हिरासत में लिया गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वैंकूवर के एक ड्यूटी फ्री स्टोर की कर्मचारी ने पायलट को त्योहार के मौके पर दी जा रही शराब पीते हुए देखा। दावा किया गया है कि शराब की बोतल खरीदते समय पायलट के मुंह से शराब की गंध आई थी। कर्मचारी ने इसकी सूचना कनाडाई अधिकारियों को दी।

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 111 रुपए महंगा

नईदिल्ली, एजेंसी। साल 2026 के पहले ही दिन महंगाई का बड़ा झटका लगा है। कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम 111 रुपये बढ़ गए हैं। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने इस तरह इस सिलेंडर की कीमत में करीब 7 फीसदी का इजाफा किया है। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन की वेबसाइट के मुताबिक, आज दिल्ली में यह गैस सिलेंडर 1691.50 रुपये में बिक रहा है। इससे पहले भाव 1580.50 रुपये थे। देश के दूसरे हिस्सों में भी कमर्शियल सिलेंडर की कीमत में 111 रुपये का ही इजाफा हुआ है।

न्यू ईयर पर कश्मीर में भूकंप के झटकों से दहशत

नईदिल्ली, एजेंसी। आज सुबह कश्मीर में भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिससे पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया। लोग अचानक अपने घरों से बाहर भागने लगे और काफी देर तक दहशत में रहे। भूकंप के कारण कुछ समय के लिए सड़कों पर भी अफरा-तफरी मच गई। अधिकारियों के अनुसार भूकंप से किसी भी प्रकार की जनहानि की खबर नहीं है।

मुंबई में झमाझम बारिश से हुआ नए साल का स्वागत

नई दिल्ली, एजेंसी। नए साल के पहले दिन उत्तर भारत में सर्दी का सितम देखने को मिला है। वहीं, महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में साल के पहले दिन बारिश हुई। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, आज देश के बड़े हिस्सों में शीतलहर, घना कोहरा और तापमान में तेजी से गिरावट देखी गई। दिल्ली में नए साल की पूर्व संध्या पर पिछले छह सालों में दिसंबर का सबसे ठंडा दिन रहा। वहीं, ठंड की लहर राजस्थान में भी चली। कड़ाके की ठंड देखते हुए असम के गुवाहाटी में स्कूल बंद कर दिए गए।

आज का कार्टून

स्विट्जरलैंड मातम में बदला नए साल का जश्न, हमला या हादसा... साफ नहीं

पर्यटकों से भरे रिजॉर्ट में धमाका कई लोगों के मरने की आशंका

बर्न. एजेंसी

स्विट्जरलैंड में नए साल का जश्न उस वक्त मातम में बदल गया, जब एक स्की रिजॉर्ट में धमाका हुआ, जिसमें कई लोगों के मारे जाने की आशंका है। धमाके में कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आपात सेवाएं मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्यों में जुटी हैं। धमाके की वजह अभी तक पता नहीं चल सकी है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, धमाका भारतीय समय अनुसार रात करीब डेढ़ बजे स्की रिजॉर्ट के लिए मशहूर क्रांस मोंटाना में हुआ। धमाका रिजॉर्ट के रेस्तरां में हुआ, जहां नए साल का जश्न मनाया जा रहा था। धमाके में कई लोगों के मारे जाने की खबर है और कई अन्य घायल हुए हैं। विस्फोट वाली जगह को सील कर जांच की जा रही है। एहतियातन रिजॉर्ट के आसपास के इलाके को भी सील कर दिया गया है। धमाका किसी दुर्घटना की वजह से हुआ या यह कोई हमला है, पुलिस इसकी जांच कर रही है। स्विट्जरलैंड के मशहूर लग्जरी अल्पाइन स्की रिजॉर्ट शहर क्रांस मोंटाना में गुरुवार तड़के न्यू ईयर सेलिब्रेशन के दौरान विस्फोट हुआ। इस धमाके में कई लोगों के मारे जाने की खबर है, जबकि कई अन्य घायल हैं। स्विस पुलिस ने इसकी पुष्टि की है। स्विट्जरलैंड में जिस जगह धमाका हुआ है वो राजधानी बर्न से 2 घंटे की दूरी पर स्थित है। धमाके के बाद बचाव अभियान जारी है।

लोकप्रिय है यह डेस्टिनेशन

क्रांस मोंटाना पर्यटकों के बीच बेहद लोकप्रिय है और यहां बड़ी संख्या में टूरिस्ट छुट्टियां मनाने आते हैं। नए साल के मौके पर यहां भीड़ अधिक रहती है। पुलिस का कहना है कि जांच की जा रही है। फॉरेंसिक टीमें सबूत जुटा रही हैं और बार में मौजूद लोगों से पूछताछ भी की जा रही है।

घायलों को एयरलिफ्ट किया

पुलिस प्रवक्ता गेटन लाथियन ने एएफपी से बताया कि घटना में कई लोग घायल हुए हैं और कई लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। हादसे की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में राहत और बचाव दल मौके पर पहुंचे। कई एंबुलेंस तैनात की गईं, जबकि घायलों को अस्पताल पहुंचाने के लिए एयर-ग्लेशियर्स हेलीकॉप्टरों की भी मदद ली गई। आग पर काबू पाने के लिए दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत की।

सतना में धर्मांतरण रैकेट, तीन गिरफ्तार

सतना। जिले के धारकुंडी थाना क्षेत्र में पुलिस ने धर्मांतरण के एक संगठित रैकेट का पर्दाफाश किया है। मामले में पुलिस ने पिता-पुत्र समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। जांच में सामने आया है कि मुख्य आरोपी के बैंक खाते में बीते एक साल के भीतर मुंबई से करीब 9 लाख रूपए भेजे गए थे। थाना प्रभारी शैलेंद्र पटेल ने बताया कि बीते कुछ समय से झखौरा गांव के लालमन चौधरी उर्फ अब्दुल रहमान (68) के खिलाफ ग्रामीण इलाके में धर्मांतरण कराने और अवैध धार्मिक गतिविधियों की शिकायतें मिल रही थीं। शिकायतों के आधार पर पुलिस ने सत्यापन शुरू किया। जांच में सामने आया कि लालमन चौधरी ने करीब 15 साल पहले खुद धर्म परिवर्तन किया था, इसके बाद उसने अपने बेटे और रिश्ते के भतीजे का भी धर्मांतरण करा दिया।

दूषित पानी : इंदौर में अब भी 26 लोग आईसीयू में

इंदौर। भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित पानी के कारण बीमार होने वाले लोगों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। अब तक 2456 मरीजों की पहचान की जा चुकी है, जिनमें से 162 मरीज अस्पताल में भर्ती हैं। इनमें से 26 मरीज आईसीयू में संघर्ष कर रहे हैं। भागीरथपुरा के घरों से लगातार नए मरीज सामने आ रहे हैं। शहर के 14 सरकारी और निजी अस्पतालों में इलाज किया जा रहा है। एमजीएम मेडिकल कॉलेज के चाचा नेहरू अस्पताल में 11 बच्चे भर्ती हैं। अब तक 13 की मौत हो चुकी है।

नए साल के कैलेंडर का विमोचन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज मुख्यमंत्री निवास में प्रदेश सरकार के वर्ष 2026 के कैलेंडर का विमोचन किया। नए साल का यह कैलेंडर 'समृद्ध किसान-समृद्धि प्रदेश' की थीम पर है।

रूस की तेल रिफायनरी पर यूक्रेन का हमला

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया भर में नए साल का आगाज खुशियां मनाकर किया जा रहा है लेकिन रूस-यूक्रेन में साल 2026 की शुरुआत ड्रोन हमलों से हुई है। यूक्रेन की सेना ने दावा किया है कि बीती रात किए गए ड्रोन हमलों में रूस के कई तेल और हथियार ठिकानों को गंभीर नुकसान पहुंचा है। यूक्रेनी सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ के मुताबिक, इन हमलों में रूस की प्रमुख तेल रिफाइनरियां, ऑयल टर्मिनल, सैन्य ठिकाने और गोला-बारूद डिपो निशाना बने। रूस के क्रास्नोडार क्षेत्र में स्थित इल्स्की ऑयल रिफाइनरी पर यूक्रेन के ड्रोन हमले के बाद भीषण आग लग गई।

सरकारी लापरवाही से चल रहा था गोवा का अवैध नाइट क्लब

जांच में बड़ा खुलासा, 25 लोगों की हुई थी मौत

पणजी

गोवा के अरपोरा गांव में स्थित नाइटक्लब में 6 दिसंबर को लगी भयानक आग ने 25 लोगों की जान ले ली थी। अब इस हादसे की मजिस्ट्रेटी जांच रिपोर्ट सामने आई है। रिपोर्ट बताती है कि यह नाइटक्लब सॉल्ट पैन की जमीन पर गैरकानूनी तरीके से बनाया गया था। साथ ही, क्लब बिना वैध ट्रेड लाइसेंस के चल रहा था। रिपोर्ट में कहा गया है कि 'बर्च बाय रोमियो लेन' नाम का यह नाइटक्लब सॉल्ट पैन और जल क्षेत्र के बीच बना था। यह भूमि राजस्व संहिता और तटीय क्षेत्र के नियमों का सीधा उल्लंघन है।

माना जा रहा है कि सरकारी लापरवाही के चलते अवैध क्लब के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई। जांच रिपोर्ट को मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत की अध्यक्षता में हुई एक समीक्षा बैठक में पेश किया गया। उसके बाद राज्य सरकार ने इसे सबके लिए सार्वजनिक कर दिया। अरपोरा-नागोआ ग्राम पंचायत ने 16 दिसंबर 2023 को क्लब को बार, रेस्टोरेंट और नाइटक्लब चलाने का लाइसेंस दिया था। यह लाइसेंस 31 मार्च 2024 तक वैध था। उसके बाद लाइसेंस का रीन्यूअल नहीं किया गया, फिर भी क्लब बिना रुके चलता रहा। पंचायत ने न तो क्लब के परिसर को सील किया और न ही किसी संबंधित विभाग को इसकी सूचना दी। जांच रिपोर्ट में पंचायत सचिव और सरपंच के बयानों का हवाला दिया गया है। इन बयानों से पता चलता है कि क्लब मालिकों से इनकी मिलीभगत थी। रिपोर्ट कहती है कि ट्रेड लाइसेंस के बिना व्यवसाय चलाने पर परिसर को सील करने का अधिकार होने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई।

मेट्रो एंकर माता-पिता की लापरवाही और चिकित्सा सलाह का पालन न करना बड़ी वजह

दक्षिण अफ्रीका में 'खतना' के बाद 41 युवाओं की मौत

जोहान्सबर्ग, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका से हैरान करने वाला और दर्दनाक मामला सामने आया है। नवंबर और दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका में इस्लामिक खतना प्रक्रियाओं के कारण 41 युवकों की मौत हो गई है। यहां खतना युवकों के लिए वयस्क बनने का एक संस्कार है जो अफ्रीका के विभिन्न जातीय समूहों द्वारा सालाना किया जाता है। इसमें दक्षिण अफ्रीका के कुछ हिस्से शामिल हैं जिनमें इनमें जोसा, न्देबेले, सोथो और वेन्डा समुदाय हैं। परंपरा अनुसार इस दौरान युवकों को अलग रखा जाता है जहां उन्हें वयस्क होने के मूल्यों और जिम्मेदारियों के बारे में सिखाया जाता है।

मंत्री ने जताई नाराजगी

दक्षिण अफ्रीका के पारंपरिक मामलों के मंत्री वेलेन्कोसिनी हलाबिसा ने स्थानीय प्रसारकों को बताया कि इस साल खतना के दौरान 41 युवकों की मौत हो गई है। उन्होंने सुरक्षा मानकों और चिकित्सा सलाह का पालन ना करने के लिए संस्कार समारोह के आयोजकों और माता-पिता दोनों की लापरवाही को दोषी ठहराया। हलाबिसा ने कहा कि युवकों को अक्सर दी जाने वाली कुछ अप्रमाणिक सलाह यह है कि तेजी से ठीक होने के लिए पानी पीने से बचें। मंत्री ने कहा, 'कुछ दीक्षा स्कूलों में स्वास्थ्य मानकों को पूरा करने के मामले में लापरवाही है। अगर आप अपने बच्चे को दीक्षा स्कूल में ले जाते हैं, तो आप

कभी फॉलो-अप नहीं करते, आप निगरानी नहीं करते, आप यह देखने के लिए वहां नहीं जाते कि बच्चा पानी पीता है या नहीं, आप अपने बच्चे को जोखिम में डाल रहे हैं।' ईस्टर्न केप प्रांत को मौत के लिए एक हॉट स्पॉट के रूप में पहचाना गया है। अकेले इसी प्रांत में 21 मौतें हुई हैं।

गिरफ्तार लोगों में माता-पिता शामिल

स्थानीय पुलिस ने इन मौतों के मामले में 41 लोगों को गिरफ्तार किया है। जिसमें ऐसे माता-पिता भी शामिल हैं जिन्होंने अपने बच्चों को भर्ती कराने के लिए गलत उम्र बताई थी। दक्षिण अफ्रीकी कानून के अनुसार, केवल 16 वर्ष और उससे अधिक उम्र के बच्चों को ही माता-पिता की सहमति से ऐसे स्कूलों में भेजा जाता है जहां खतना की प्रक्रिया होती है। अफ्रीकी समुदायों में इस तरह का पारंपरिक संस्कार बड़े पैमाने पर किया जाता है, और युवकों की वापसी अक्सर खुशी भरे, सांस्कृतिक समारोहों के साथ होती है।

नए साल पर पर्यटन स्थल और मंदिरों में उमड़ी भीड़

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

नए साल 2026 पर भोपाल और आसपास के पर्यटन स्थलों व मंदिरों में भारी भीड़ उमड़ी। ठंड और छुट्टियों के चलते लोग वन विहार, भीमबेटका, केरवा-कलियासोत डैम, भोजपुर और सांची जैसे पिकनिक स्पॉट्स के साथ सलकनपुर देवी धाम और भोजेश्वर मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचे। भोपाल के आसपास ऐसे कई स्थल हैं, जहां प्रकृति, इतिहास और आस्था तीनों का संगम देखने को मिलता है। यही वजह है कि नए साल पर लोग सुबह मंदिरों में दर्शन और दिन में पिकनिक या घूमने आ चुके हैं। नए साल की सुबह वन विहार में घूमने और प्राकृतिक नजारों का आनंद लेने वालों की संख्या बढ़ गई। परिवारों के बीच यह सबसे पसंदीदा जगहों में शामिल है। वहीं यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल भीमबेटका में नए साल पर देश-विदेश से सैलानी पहुंचे। ठंड के मौसम में यहां ट्रैकिंग और फोटोग्राफी का खास आकर्षण रहा। इसके अलावा युवाओं और दोस्तों के ग्रुप के लिए यह दोनों डैम सबसे पॉपुलर पिकनिक स्पॉट हैं। नए साल पर यहां खासा रश देखने को मिला। इसके अलावा ऐतिहासिक भोजेश्वर मंदिर और आसपास का प्राकृतिक वातावरण नए साल पर पर्यटकों को खूब आकर्षित करता है। भोपाल से करीब 50 किलोमीटर दूर स्थित सांची में नए साल पर शांति और सुकून की तलाश में लोग पहुंचे। इतिहास और अध्यात्म में रुचि रखने वालों के लिए यह खास स्थल है।

आधी रात के बाद तक लाइव म्यूजिक पर हुआ सेलिब्रेशन

साल 2025 को अलविदा कहते हुए नए साल 2026 का आगाज हो गया। बड़ी संख्या में यूथ नए साल को सेलिब्रेट करने शहर के होटल्स और रिसॉर्ट पहुंचे। यहां अलग-अलग थीम रखी गई। लाइव म्यूजिक पर यूथ जमकर थिरक रहे। वहीं, पार्टियों में विशेष ड्रेस कोड नजर आया। गर्ल्स में जहां कोट्स, गम बूट्स और सीक्वेंस ड्रेस से विंटर का फैशन दिखाई दे दिया। वहीं, बॉयज सूट और डिफरेंट तरह की डिजाइन जैकेट्स में नजर आए। ईव सेलिब्रेशन का यह रंग होटल ताज, अशोका, पलाश, विंड एंड वेव्स, रूफ टॉप, पलाश रेसीडेंसी, रेडिसन, कोर्टयार्ड बाय मैरियट, कंट्री मिडोज, ब्लू लगून, पिचर्स, टीडीएस समेत शहर के हर छोटे-बड़े होटल, रेस्त्रां में नजर आया। शहर के बार, क्लब के अलावा एमपी टूरिज्म बोर्ड की होटलों में भी जश्न है।

प्रमुख चौराहों पर पुलिस ने की चेकिंग

होटल पलाश, अशोका, विंड एंड वेव्स समेत अन्य होटलों में ठीक रात 12 बजे न्यू ईयर सेलिब्रेशन किया जाएगा। शहर के 75 पॉइंट्स पर पुलिस का चेकिंग अभियान जारी है। आउटरों पर कारों की तलाशी ली जा रही है। वहीं शहर के प्रमुख चौराहों पर रात में पुलिस तैनात रही। पुलिस ने रास्तों पर बैरिकेडिंग कर चेकिंग भी की। टू-व्हीलर और फोर-व्हीलर गाड़ियों को रोककर चेक किया गया। ड्रिंक एंड ड्राइव करने वालों पर कार्रवाई की गई। कई लोगों को समझाइश दी। अधिकारियों से लेकर पुलिस जवान सड़कों पर तैनात दिखे।

अल्टीमेट फूडीज ग्रुप का सदर मंजिल में थीम बेस्ड न्यू ईयर सेलिब्रेशन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

नए साल के स्वागत को लेकर अल्टीमेट फूडीज ग्रुप द्वारा एक थीम-बेस्ड न्यू ईयर पार्टी का आयोजन किया गया। ग्रुप के सदस्यों ने सदर मंजिल में उत्साह के साथ नए साल का जश्न मनाया। ग्रुप के संस्थापक आबिद फारूकी ने बताया कि न्यू ईयर सेलिब्रेशन को खास बनाने के लिए इस बार वे स्वयं लंदन से भोपाल पहुंचे। विशेष ड्रेस कोड और थीम रखी थी, जिसमें महिलाओं ने मल्टी-कलर वेस्टर्न ड्रेस जबकि पुरुष सदस्यों ने वेस्टर्न ड्रेस कोड थीम अपनाया। रंग-बिरंगे बैलून, पार्टी प्रॉप्स, आतिशबाजी और आकर्षक सजावट के बीच हवा में बैलून छोड़कर नए साल का आगाज किया। स्वादिष्ट व्यंजनों ने भी सभी का ध्यान आकर्षित किया। पनीर सूफियाना, मसाला चाप, क्रिस्टल डिम सम्स, पनीर मक्खन वाला, मखमली लच्छा, थाई रेड करी और ग्रीन पीस पुलाव जैसे व्यंजनों ने जायके का जादू बिखेरा। वहीं मिठाइयों में हेज़लनट पेस्ट्री और न्यू ईयर स्पेशल चॉकलेट ट्रफल केक के साथ रंग-बिरंगे मॉकटेल्स ने आयोजन को और भी यादगार बना दिया। अल्टीमेट फूडीज टीम से डॉ. रीनू यादव, ऋषभ माहेश्वरी, अजय देवनानी, अलवीना, उसामा, अर्शी, स्मिता, शिल्पी आदि सेलिब्रेशन में शामिल हुए।

ईरानी डेरे के अवैध साम्राज्य पर चलेगा बुलडोजर

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कुख्यात ईरानी डेरे में वर्षों से फल-फूल रहे अपराध के अवैध साम्राज्य को समाप्त करने के लिए पुलिस और प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। शासन-प्रशासन ने इस पूरे क्षेत्र को अपराधियों का गढ़ मानते हुए यहां बने अवैध निर्माणों को चिन्हित कर लिया है और उन पर बुलडोजर चलाने की पूरी तैयारी कर ली गई है। इस कार्रवाई का उद्देश्य न केवल अतिक्रमण हटाना है, बल्कि अपराधियों को यह स्पष्ट संदेश देना भी है कि कानून से ऊपर कोई नहीं है। ईरानी डेरा लंबे समय से हिस्ट्रीशीटर और संगठित अपराधियों का सुरक्षित ठिकाना बना हुआ था। पुलिस जांच में सामने आया है कि इस पूरे नेटवर्क का मास्टरमाइंड कुख्यात बदमाश राजू है, जिसके खिलाफ कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। भोपाल पुलिस द्वारा शुरू की गई इस बड़ी कार्रवाई के बाद देश के अन्य राज्यों की पुलिस भी सतर्क हो गई है।

इंदौर की घटना के बाद भोपाल में अलर्ट पानी की जांच करने के लिए पहुंची टीम

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी पीने से 9 मौतें हो चुकी हैं। इसके बाद भोपाल नगर निगम भी अलर्ट हो गया है। महापौर मालती राय ने सभी इंजीनियरों को निरीक्षण करने के आदेश दिए हैं। जिससे पता चल सके कि कहीं दूषित पानी की सप्लाई तो नहीं की जा रही है। महापौर राय ने सब इंजीनियर, असिस्टेंट इंजीनियर और सुपरवाइजरों को निरीक्षण करने को कहा है। वहीं, अधीक्षण यंत्री और कार्यपालन यंत्री को नजर रखने को कहा है। निरीक्षण के बाद रिपोर्ट देने के आदेश भी दिए हैं। अवधपुरी में पानी की जांच 8 महीने पहले अवधपुरी में पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) की सप्लाई अचानक बंद हो गई थी। जांच में सामने आया कि इलाके में एक प्राइवेट वेंडर द्वारा नाले से जुड़ा खुदाई कार्य किया जा रहा था। इसी दौरान भूमिगत पीएनजी पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई, जिससे गैस सप्लाई बाधित हुई। इस तरह की स्थिति पीने की पाइप लाइन में तो नहीं, इसे जांचने के लिए बुधवार को नगर निगम की टीम अवधपुरी पहुंची। कुछ घरों से पानी के सैंपल भी लिए गए हैं। बता दें कि सीवेज संबंधित कई शिकायत हर रोज नगर निगम में आती हैं। ऐसे में डर है कि कहीं सीवेज पीने के पानी में तो नहीं मिल रहा? इसकी जांच के लिए टीमें मैदान में उतरी है।

पहले भी हो चुका हादसा

करीब 3 साल पहले भोपाल में बड़ा हादसा हो चुका है। ईदगाह हिल्स स्थित मदर इंडिया कॉलोनी में बुधवार रात क्लोरीन गैस के रिसाव से हड़कंप मच गया था। बस्ती में रहने वाले लोगों को आंखों में जलन और सांस लेने में तकलीफ होने लगी। इससे लोग घरों से बाहर निकल गए। महिला समेत 3 लोगों को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। कुछ देर में यह संख्या 10 हो गई थी। इसके बाद पानी की सप्लाई रोक दी गई है। यदि यह पानी सप्लाई हो जाता तो कई लोग बीमार हो सकते थे।

जनजातीय संग्रहालय में करमा नृत्य के साथ गायन की प्रस्तुति

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय में नृत्य, गायन और वादन पर केंद्रित तीन दिवसीय गतिविधि संभावना के दूसरे दिन अनूपपुर से आए पंचम सिंह और उनके साथियों ने गोंड जनजातीय करमा नृत्य की प्रस्तुति दी। यह नृत्य कर्म और श्रम के महत्व को दर्शाता है और सामूहिक सहभागिता इसकी विशेषता है। इसके बाद गोटीपुआ डांस एसोसिएशन ने गोटीपुआ नृत्य प्रस्तुत किया। बाल कलाकारों द्वारा भगवान कृष्ण की लीलाओं को भाव-भंगिमाओं के साथ मंच पर उतारा गया। वहीं दुर्ग से आए दिनेश कुमार जांगड़े और साथियों ने छत्तीसगढ़ का पारंपरिक पंथी नृत्य प्रस्तुत किया। कालबेलिया नृत्य और सौंगी मुखौटा नृत्य की प्रस्तुति भी हुई। रीवा से आईं कल्याणी मिश्रा और उनके साथियों ने बघेली लोकगीतों की प्रस्तुति दी। गणेश और शिव भजनों के साथ पारंपरिक गीत गाए गए। जूनागढ़ से आए जयदीप गढ़वी और उनके साथियों ने गढ़वी गायन प्रस्तुत किया। वहीं रायबरेली से आईं अंजली सिंह और उनके साथियों ने आल्हा गायन के माध्यम से महोबा के ऐतिहासिक प्रसंगों को स्वर दिया।

एलवीएस ग्रुप का 30वां वार्षिक समारोह, रंगारंग प्रस्तुतियां

शिक्षा ही समाज में दिलाती है सम्मान- सिद्धभाऊ

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

लक्ष्मीदेवी विक्योमल शर्राफ उमा विद्यालय एवं प्रेरणा किरण पब्लिक स्कूल, एलवीएस प्ले ग्रुप स्कूल एवं वीना चार्ली दासवानी गर्ल्स पब्लिक स्कूल गांधीनगर में 30वां वार्षिक समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सिद्धभाऊ जी की उपस्थिति रही। मुख्य अतिथि रामेश्वर शर्मा विधायक थे। अध्यक्षता महापौर मालती राय ने की, जबकि विशेष अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी एन के अहिरवार एवं संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज के संचालक हीरो ज्ञानचंदानी एवं जीव सेवा संस्थान के सचिव महेश दयारामानी थे। कार्यक्रम का शुभारंभ संत हिरदाराम जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्वल्लन के साथ हुआ। संस्था के सचिव रमेश हिंगारानी, योगेश हिंगोरानी, नीलेश हिंगोरानी एवं शाला के प्राचार्यगण ने अतिथियों का स्वागत किया। रमेश हिंगोरानी ने विद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट पेश की। इस अवसर पर बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। सिद्धभाऊजी ने कहा, पढ़ाई ही हमें समाज में सम्मान दिलाती है इसीलिए टाइम टेबल बनाकर पढ़ाई करें ताकि अच्छा रिजल्ट लाकर अपने विद्यालय और माता-पिता का नाम रोशन करें। उन्होंने कहा, शिक्षा ही जीवन में साथ रहती है। रामेश्वर शर्मा ने कहा इस विद्यालय में जो भी उपलब्धियां हैं वह संत हिरदाराम साहिब जी की कृपा से ही है। हमें संत जी का धन्यवाद करना चाहिए और भारत माता के प्रति नमन करना चाहिए। उन्होंने अभिभावकों से कहा, आपका बच्चा इस विद्यालय में पढ़कर आगे बढ़ेगा बिना किसी की मदद के आगे नहीं बढ़ा जा सकता अपने बच्चे में यह भाव पैदा करें क्योंकि जिंदगी में सबसे पहले मनुष्य मुगाल्ते में आता है। महापौर मालती राय ने कहा कि इस विद्यालय की दिशा और दशा बच्चों के जीवन में परिवर्तन ला रही है।

परम्परा और प्रगति के बीच परिवार में संतुलन एक चुनौती - मैथिल

'समसामयिक परिवेश में घर परिवार और कटुम्ब की भूमिका' विषय पर संगोष्ठी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

पुरातन परम्परा और आधुनिक प्रगति के बीच परिवार में समन्वय और संतुलन आज की सबसे बड़ी चुनौती है। आधुनिक जीवन शैली भौतितावादी और अर्थ प्रधान है, इसमें संवेदनाएं खत्म हो रही है, घर परिवार टूट रहे हैं। इससे समाज और देश टूटने का खतरा है। इसलिए इस पर समय रहते ध्यान देना होगा । यह विचार वरिष्ठ साहित्यकार घनश्याम मैथिल 'अमृत' ने व्यक्त किये। वे अभिव्यक्ति विचार यात्रा भारत डायलॉग द्वारा 'समसामयिक परिवेश में घर परिवार और कटुम्ब की भूमिका' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में बोल रहे थे। कार्यक्रम में स्वागत वक्तव्य एवं आयोजन की रुपरेखा सुपरिचित गीतकार मनोज जैन मधुर ने प्रस्तुत की। विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक आर. डी. तैलंग ने कहा कि आज कुटुंब की अवधारणा बदल रही है। कुटुंब रक्त सबंधों से इतर नये नये स्तर पर जरूरत के अनुसार बन रहे हैं। इस आयोजन में वरिष्ठ साहित्यकार विनोद जैन ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि आधुनिक समय में तकनीकी का उपयोग करते हुए दूर दूर बिखरे परिवार और कुटुंब को जोड़ा जा सकता है। डॉ. अभिजीत देशमुख ने परिवार और कुटुंब से भावनात्मक जुढ़ाव का महत्व बताते हुए युवाओं के बीच वरिष्ठ जनों द्वारा काम करने की आवश्यकता पर बल दिया। पत्रकार जगत शर्मा, राजकुमार बरुआ ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में बांग्लादेश में की जा रही निर्दोष हिन्दुओं की हत्या पर रोष प्रकट करते हुए निंदा प्रस्ताव पारित किया गया। आभार प्रदर्शन सुबोध श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर कपिल तिवारी, विनय, संदीप उपाध्याय, शिवानी सैनी, मृत्युनंजय मिश्रा, सुशील विश्वकर्मा, भंवर सिंह, राजकुमार, रत्ना चौहान सहित बड़ी संख्या में युवा छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

मेट्रो एंकर

कोलार स्टेडियम: एक महीने में पौने चार सौ लोगों ने कराया रजिस्ट्रेशन

खिलाड़ी सबसे ज्यादा बैडमिंटन और क्रिकेट में आजमा रहे हाथ

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

कोलार क्षेत्र में एक महीने पहले शुरू हुए कोलार स्टेडियम को खेल प्रेमियों का शानदार रिस्पॉन्स मिल रहा है। अब तक पौने चार सौ से अधिक लोगों ने यहां विभिन्न खेल गतिविधियों के लिए अपना रजिस्ट्रेशन करा लिया है। खास बात यह है कि स्टेडियम में बच्चे और युवा ही नहीं, बल्कि युवतियां, महिलाएं और बुजुर्ग भी बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। सबसे अधिक रुचि बैडमिंटन और क्रिकेट में देखने को मिल रही है, जहां सुबह और शाम के समय खिलाड़ियों की अच्छी खासी मौजूदगी रहती है। यदि यहां आर्थिक रूप से कमजोर खिलाड़ियों के लिए विशेष छूट, छात्रवृत्ति या निशुल्क प्रशिक्षण जैसी योजनाएं शुरू की जाएं, तो यह स्टेडियम भविष्य में कई अच्छे खिलाड़ी तैयार कर सकता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पहले उन्हें खेलने के लिए दूर जाना पड़ता था, लेकिन अब कोलार में ही अच्छी सुविधा मिलने से समय की बचत हो रही है। पहले खिलाड़ियों को 10 किमी दूर टीटी नगर और15 किमी दूर बावे अली खेल मैदान क्रिकेट खेलने के लिए जाना पड़ता था

ओपन जिम का आया सामान, कम राशि में मिलेगा लाभ : अच्छी खबर यह भी है कि स्टेडियम में ओपन जिम का सामान आ चुका है। जल्द ही ओपन जिम शुरू होने से खिलाड़ियों के साथ-साथ आम नागरिकों को भी व्यायाम की बेहतर सुविधा मिलेगी। इसके अलावा पैदल घूमने वालों के लिए वॉकिंग ट्रैक को और सुविधाजनक बनाया जा रहा है । गरीब तबके के लोगों की मांग, कुछ कम किया जाए शुल्क हालांकि, इन सकारात्मक पहलुओं के बीच एक बड़ी चिंता भी सामने आ रही है। स्टेडियम में खेल गतिविधियों की फीस अपेक्षाकृत अधिक होने के कारण गरीब और आर्थिक रूप से कमजोर तबके के प्रतिभावान खिलाड़ियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई ऐसे युवा खिलाड़ी हैं, जिनमें खेल प्रतिभा तो है, लेकिन वे फीस वहन नहीं कर पा रहे हैं। स्थानीय खेल प्रेमियों और अभिभावकों का कहना है कि यदि फीस में कुछ रियायत या विशेष योजना बनाई जाए, तो ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ी सुविधाओं का लाभ उठा सकेंगे। खेल विशेषज्ञों का मानना है कि कोलार स्टेडियम क्षेत्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

साल 2025 बीता, अब आईएएस अफसरों को बताना होगी संपत्ति

31 जनवरी तक स्पैरो पोर्टल पर अपलोड करना होगा अचल संपत्ति ब्यौरा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

2025 का साल खत्म होते ही प्रदेश के सभी आईएएस, आईपीएस और आईएफएस अधिकारियों के लिए अपनी अचल संपत्ति का ब्यौरा देना अनिवार्य कर दिया गया है। इन अधिकारियों को 1 जनवरी से 31 जनवरी के बीच स्पैरो पोर्टल पर अपनी संपत्ति की जानकारी ऑनलाइन अपलोड करनी होगी। निर्धारित समय-सीमा में जानकारी नहीं देने पर इसका असर अधिकारियों के प्रमोशन पर पड़ेगा।

डीओपीटी (डिपार्टमेंट ऑफ पर्सनल ट्रेनिंग) मंत्रालय के आदेश के बाद राज्य शासन के सामान्य प्रशासन विभाग ने प्रदेश के सभी अधिकारियों के लिए वार्षिक अचल संपत्ति विवरण पत्र साल 2025 ऑनलाइन पेश करना अनिवार्य कर दिया है। यह विवरण 1 जनवरी 2026 की स्थिति में तैयार किया जाएगा। जीएडी द्वारा जारी आदेश के अनुसार अखिल भारतीय सेवा (आचरण) नियम 1968 के नियम 16(2) के तहत प्रत्येक अधिकारी को प्रतिवर्ष अपनी अचल संपत्ति का विवरण देना अनिवार्य है। भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार यह प्रक्रिया SPARROW पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन पूरी की जाएगी।

आईपीआर नहीं किया तो होगी कार्रवाई- जीएडी के निर्देश में कहा गया है कि सभी संबंधित अधिकारी 1 जनवरी से 31 जनवरी 2026 के बीच अनिवार्य रूप से वेबसाइट https://sparrow.eoffice.gov.in पर लॉगिन कर IPR ऑनलाइन भरें। यदि निर्धारित समय-सीमा में IPR पेश नहीं किया जाता है, तो भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार संबंधित अधिकारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है। सामान्य प्रशासन विभाग ने सभी विभागाध्यक्षों को इन निर्देशों का सख्ती से पालन कराने के निर्देश दिए हैं। यही व्यवस्था प्रदेश के सभी आईपीएस और आईएफएस अधिकारियों पर भी लागू होगी। अखिल भारतीय सेवा के इन अधिकारियों को 31 जनवरी तक देश-विदेश में स्वयं तथा पत्नी या पति के नाम पर मौजूद अचल संपत्तियों का विवरण देना होगा।

मंत्री स्टाफ और मंत्रालय कर्मचारियों से भी मांगा संपत्ति ब्यौरा

एक अन्य आदेश में जीएडी ने मंत्रालय में पदस्थ सभी तृतीय श्रेणी मंत्रालयीन कर्मचारी, सहायक अनुभाग अधिकारी, सहायक ग्रेड-2, सहायक ग्रेड-3, निज सहायक, शीघ्र लेखक, स्टेनोटाइपिस्ट, तकनीकी संवर्ग तथा मंत्री स्थापना में पदस्थ सभी तृतीय श्रेणी मंत्रालयीन कर्मचारियों से भी 31 जनवरी तक अपनी संपत्ति का विवरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। हालांकि इस आदेश में मंत्रालय सेवा के उप सचिव और अपर सचिव स्तर के अधिकारियों का उल्लेख नहीं किया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर मेंमालवा मिल पर संत बालीनाथ जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

प्रदेश में सिंचाई का रकबा बढ़ाने की सरकार की कोशिश, सीएम बोले-

सिंचाई के रकबे में हो रही वृद्धि, हर किसान के खेत तक पानी पहुंचाने का रखा टारगेट

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की किसानों की खुशहाली की परिकल्पना को साकार करते हुए मध्यप्रदेश में सिंचाई का रकबा तेजी से बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा प्रदेश को दी गई तीन बड़ी परियोजनाओं से मध्यप्रदेश में सिंचाई का रकबा 100 लाख हैक्टेयर तक करने में सफलता मिलेगी। साथ ही प्रदेश की अन्य निर्माणाधीन सिंचाई परियोजना? भी लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायक होंगी। प्रदेश में गत दो वर्षों में सिंचाई क्षमता में अभूतपूर्व बढ़ोतरी हुई है। किसानों की तरक्की और खुशहाली हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। कृषि के अतिरिक्त पेयजल, उद्योगों, विद्युत उत्पादन आदि के लिए जल की उपलब्धता कराये जाने के प्रयास निरंतर जारी हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह मध्यप्रदेश का सौभाग्य है कि पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेई के नदी जोड़ो अभियान के सपने को साकार करने का कार्य प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में प्रारंभ हुआ। इस परियोजना से पूरे बुंदेलखंड क्षेत्र की तस्वीर एवं तकदीर बदल जाएगी। इस परियोजना से न केवल सिंचाई अपितु पेयजल एवं विद्युत उत्पादन का लाभ भी मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की दूसरी महत्वपूर्ण पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना है। इससे प्रदेश के बड़े हिस्से में सिंचाई, पेयजल, उद्योगों आदि के लिए पर्याप्त मात्रा में जल उपलब्ध हो सकेगा। प्रदेश में आकार ले रही तीसरी महत्वपूर्ण परियोजना तापी बेसिन मेगा रिचार्ज परियोजना है, जो कि विश्व में अपने आप में एक अनूठा प्रयास है। इस परियोजना अंतर्गत वर्षा के दौरान ताप्ती नदी के अतिरिक्त जल को नियंत्रित तरीके से भू-जल भरण के लिए उपयोग किया जाकर भू-जल स्तर में वृद्धि की जाएगी। परियोजना के क्रियान्वयन के लिये मध्यप्रदेश एवं महाराष्ट्र राज्यों के मध्य सहमति बन चुकी है।

मध्यप्रदेश में प्रधानमंत्री श्री मोदी की पर ड्रॉप मोर क्रॉप÷ की अवधारणा को मूर्त रूप देने के लिए निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। सिंचाई प्रबंधन में मध्यप्रदेश देश में सर्वोच्च स्थान पर है। प्रदेश में सिंचाई के रकबे में निरंतर वृद्धि हो रही है। माइक्रो सिंचाई पद्धति में मध्यप्रदेश देश में अग्रणी राज्य है। जल संरक्षण एवं संवर्धन क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिये म.प्र. को राष्ट्रीय जल अवार्ड भी मिला है।

केन-बेतवा राष्ट्रीय परियोजना

परियोजना की लागत 44 हजार 605 करोड़ रूपये है। इससे सिंचाई 8 लाख 11 हजार हेक्टेयर में हो सकेगी। परियोजना से बुन्देलखण्ड के 10 जिले छतरपुर, पन्ना, दमोह, टीकमगढ, निवाडी, शिवपुरी, दतिया, रायसेन, विदिशा एवं सागर के लगभग 2 हजार ग्रामों के 7 लाख 25 हजार किसान परिवार लाभान्वित होंगे। साथ ही 44 लाख आबादी को पेयजल मुहैया हो सकेगा। परियोजना से 103 मेगावॉट विद्युत (जल विद्युत) और 27 मेगावॉट सौर उर्जा का उत्पादन होगा। भू-जल की स्थिति में सुधार, औद्योगीकरण, पर्यटन एवं रोजगार के अवसर में भी वृद्धि होगी। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने परियोजना का भूमि-पूजन पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती 25 दिसम्बर 2024 को किया। परियोजना का कार्य प्रांरभ हो चुका है।

पार्वती-कालीसिंध-चंबल राष्ट्रीय परियोजना

परियोजना की कुल लागत 72 हजार करोड़ रूपये है। इसमें मध्यप्रदेश का हिस्सा 35 हजार करोड़ रूपये का है। परियोजना से मालवा एवं चंबल क्षेत्र के 13 जिले गुना, शिवपुरी, मुरैना, उज्जैन, सीहोर, मंदसौर, देवास, इंदौर, आगर मालवा, शाजापुर, श्योपुर, ग्वालियर एवं भिण्ड में 6.16 लाख हेक्टेयर में नवीन सिंचाई एवं चंबल नहर प्रणाली के आधुनिकीकरण से भिण्ड, मुरैना एवं श्योपुर के 3.62 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा हो सकेगी। साथ ही लगभग 2 हजार 94 ग्रामों की 40 लाख आबादी लाभान्वित होगी। मध्यप्रदेश की 19 सिंचाई परियोजनायें इसमें शामिल की गई हैं।

मेगा तापी रीचार्ज परियोजना

पारंपरिक जल भंडारण के स्थान पर भू-गर्भ जल पुनः भरण वाली इस परियोजना की कुल लागत 19 हजार 244 करोड़ रूपये है। इसे 10 मई 2025 को महाराष्ट्र एवं मध्यप्रदेश के मध्य राष्ट्रीय परियोजना के रूप में निर्मित किये जाने की सहमति प्रदान की गई। परियोजना से बुरहानपुर एवं खण्डवा जिले की 1 लाख 23 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई हो सकेगी। अटल भू-जल योजना से भू-जल संरक्षण एवं संवर्धन हेतु प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र के 06 जिलों सागर-दमोह छतरपुर- टीकमगढ़-पन्ना एवं निवाडी के 09 विकासखंडों की 670 ग्राम पंचायत क्षेत्रों में जन सहभागिता से जल सुरक्षा योजना तैयार करने हेतु भारत सरकार की सहायता से 314.44 करोड़ राशि की योजना 2020 से अक्टूबर 2025 तक क्रियान्वित की गई।

संघ प्रमुख कल से दो दिनों तक रहेंगे भोपाल में

समाज के प्रमुख जनों से संवाद करेंगे डॉ. भागवत, 4 कार्यक्रमों में करेंगे शिरकत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के प्रसंग पर सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत जी का देशभर में प्रवास हो रहा है। इसी श्रृंखला में उनका दो दिवसीय प्रवास 2-3 जनवरी, 2026 को मध्यभारत प्रान्त के भोपाल विभाग केंद्र पर रहेगा। इस दौरान चार कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे- 2 जनवरी को युवा संवाद और प्रमुखजन गोष्ठी एवं 3 जनवरी को सामाजिक सद्भाव बैठक और शक्ति संवाद। इस कार्यक्रमों में सरसंघचालक डॉ. भागवत जी आरएसएस की 100 वर्ष की यात्रा का उल्लेख करने के साथ ही वर्तमान परिस्थितियों पर भी चर्चा करेंगे।

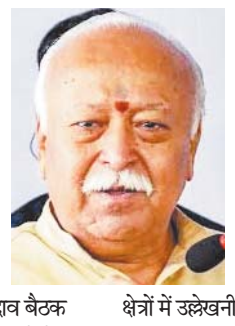

अपने इस प्रवास के दौरान सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत जी 2 जनवरी को भोपाल में आयोजित प्रान्त स्तर के युवा संवाद कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। यह कार्यक्रम कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में सुबह 9:30 बजे से आयोजित किया जाएगा। युवा संवाद में प्रान्त के सभी 31 जिलों (शासकीय रचना के 16 जिलों) के ऐसे युवा शामिल हो रहे हैं, जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किया है और उपलब्धियां अर्जित की हैं। इसी दिन शाम 5:30 बजे से रविन्द्र भवन के हँस ध्वनि सभागार में प्रमुखजन गोष्ठी का आयोजन है। इस गोष्ठी में भोपाल विभाग से विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय प्रमुखजनों को आमंत्रित किया गया है।

सामाजिक सद्भाव बैठक में शामिल होंगे प्रमुख लोग

इसी क्रम में 3 जनवरी को सुबह 9:30 बजे से कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में सामाजिक सद्भाव बैठक आयोजित है। इसमें विभिन्न समाज के प्रमुख लोग शामिल होंगे। बैठक में शामिल होने के लिए प्रान्त के सभी जिलों से लोग भोपाल पहुँच रहें। इसी दिन शाम को 5:00 बजे से भोपाल की प्रमुख मातृशक्ति के साथ शक्ति संवाद कार्यक्रम आयोजित है। सभी कार्यक्रमों में चयनित लोगों को आमंत्रित किया गया है। शताब्दी वर्ष में लोगों के मन में संघ के बारे में जानने की रुचि एवं जिज्ञासा बहुत बढ़ गई है। सरसंघचालक जी के इस प्रवास से लोगों को संघ के बारे में तथ्यात्मक और वास्तविक जानकारी मिलेगी।

दिग्गी पर बरसे नरोत्तम, कहा-

संघ व भाजपा की तारीफ 'प्रेशर पॉलिटिक्स का हिस्सा

भोपाल। भाजपा व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह की हालिया टिप्पणी को पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने राज्यसभा के लिए प्रेशर पॉलिटिक्स करार दिया है। डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि ÷दिग्विजय सिंह जी आज संघ की तारीफ कर रहे हैं, तो ओसामा बिन लादेन की आत्मा दोजख में जार-जार रो रही होगी और जाकिर नाइक खुद को अनाथ सा महसूस कर रहा होगा। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जिस नेता ने कभी 'भगवा आतंकवाद' जैसे शब्द गढ़े, उसी के मुंह से आज संघ और राम-राम की बातें आना राजनीतिक स्वार्थ को उजागर करता है। पूर्व गृह मंत्री ने सवाल उठाया कि क्या यह बदला हुआ सुर वास्तव में वैचारिक परिवर्तन है या फिर राज्यसभा की सीट को लेकर कांग्रेस नेतृत्व पर बनाया जा रहा दबाव।

इटारसी-बालासोर में सफल ट्रायल के बाद पोखरण में होगा परीक्षण

नए साल में जबलपुर की गन कैरिज फैक्टरी ला रही है नई धनुष 52 कैलिबर माउंटेन तोप

जबलपुर, दोपहर मेट्रो

देश की एकमात्र रक्षा क्षेत्र में तोप का निर्माण करने वाली फैक्ट्री जीसीएफ नए साल में सेना को अत्याधुनिक नई धनुष तोप 52 कैलिबर में माउंटेन गन में बना कर देगी। इस तोप के उत्पादन के साथ धनुष की मारक क्षमता तीन से पांच किलोमीटर बढ़ जाएगी।

अभी गन कैरिज फैक्टरी 45 कैलिबर में धनुष तोप का उत्पादन कर रही है जिसकी मारक क्षमता 40 से 42 किलोमीटर है। महत्वपूर्ण है कि जीसीएफ नई अत्याधुनिक धनुष तोप के निर्माण में तेजी लाने जा रही है और ट्रायल के बाद 300 गन बनाने का प्रस्ताव है। रक्षा क्षेत्र में निजी कंपनियों की भागीदारी के बाद प्रतिस्पर्धा में टिके रहने निर्माणी नए प्रोजेक्ट पर तेजी लाने जा रही है।

इससे पूर्व जीसीएफ में बनी धनुष तोप को पाकिस्तान और चीन की सीमा पर तैनात किया गया है। यह तोप अभी 38 किलोमीटर तक मार करने में सक्षम है। इसमें 52 कैलिबर की बैरल लगने के बाद इससे आसानी से 42 किलोमीटर तक हमला किया जा सकता है। अब नई तोप 52 कैलिबर में माउंटेन गन के रूप में कार्य करेगी। जिससे इसकी मारक क्षमता में 5 किलोमीटर तक इजाफा हो जाएगा। निर्माणी के इस बेहतरीन प्रयास से सेना की ताकत में और इजाफा होगा और दुश्मन पर अधिक सटीक वार करने में सफलता मिल सकेगी।

1600 करोड़ के रक्षा उत्पादन पर फोकस

जीसीएफ इस साल 1600 करोड़ रुपये के रक्षा उत्पादन पर तेजी से कार्य कर रही है। जिसमें धनुष तोप का नया वर्जन सहित एलएफजी, प्रमुख गन के कलपुर्जे शामिल हैं। पूर्व के मुकाबले निर्माणी की ताकत में बढ़ी है। हरेक साल रक्षा उत्पादन में वृद्धि से उसकी साख भी कायम है। माउंटेन गन की प्रमुख बातें माउंटेन गन व्हीकल के ऊपर लोड होगी। जबकि पूर्व की तोप जमीन के ऊपर 360 डिग्री में घूमकर वार करती थी। माउंटेन गन व्हीकल का उत्पादन नगर के ही वीएफजे कर सकता है। डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट आर्गेनाइजेशन ने माउंटेड गन सिस्टम तैयार किया है। यह सिर्फ 80 सेकंड में फायरिंग के लिए तैयार हो जाती है।

आरडीएसएस अंतर्गत पश्चिम मप्र का 86वां सब स्टेशन हुए शुरू

भोपाल । ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि शासन की महत्वपूर्ण रिवेम्प्ड डिस्ट्रिब्यूशन सेक्टर स्कीम (आरडीएसएस) अंतर्गत पश्चिम क्षेत्र का 86वां 33/11 केवी सब स्टेशन इंदौर संभाग के खरगोन जिले के बलसगांव पाडल्या में ऊर्जीकृत किया गया है। पांच एमवीए के इस ग्रिड से हजारों उपभोक्ताओं को पहले की तुलना में ज्यादा गुणवत्ता से बिजली मिलेगी। पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक श्री अनूप कुमार सिंह ने बताया योजना में प्रदेश का पहला ग्रिड इंदौर जिले के ईमलीखेड़ा में तैयार हुआ था। अब तक इंदौर शहर वृत्त और इंदौर ग्रामीण वृत्त में कुल 13 सब स्टेशन तैयार कर बिजली वितरित की जा रही है।

मेट्रो एंकर

तकनीकी, वित्तीय, सामाजिक एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में प्रगति का उत्कृष्ट उदाहरण

बुरहानपुर जल आवर्धन योजना से बदली तस्वीर

ताप्ती जल से हर घर तक शुद्ध जल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

ताप्ती नदी आधारित ''जल आवर्धन योजना'' से बुरहानपुर शहर को एक आधुनिक, सुरक्षित और भरोसेमंद जल आपूर्ति प्रणाली मिली है। परियोजना का क्रियान्वयन मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड और नगरपालिक निगम बुरहानपुर द्वारा किया गया है। बुरहानपुर शहर में बढ़ती जनसंख्या और बदलती जीवन शैली के बीच सुरक्षित पेयजल की आवश्यकता पहले से अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। बुरहानपुर शहर की जल वितरण अधोसंरचना पुरानी हो गई थी, जिससे जलापूर्ति ट्यूबवेलों लीकेज, गंदगी की मिलावट का खतरा था। गिरता भूजल स्तर जल की भविष्य की सुचारू उपलब्धता संकट था।

इन चुनौतियों को दूर करने के लिए ताप्ती नदी आधारित नई जलप्रदाय प्रणाली विकसित की गई है। इसके तहत एनीकट, इंटेकवेल और

50 एमएलडी क्षमता का अत्याधुनिक जलशोधन संयंत्र स्थापित किया गया है। जल शोधन संयंत्र में पानी को फिल्ट्रेशन क्लोरीनेशन और अन्य वैज्ञानिक प्रक्रियाओं से शुद्ध किया जाता है। स्काडा प्रणाली से गुणवत्ता और आपूर्ति की निरंतर निगरानी की जाती है। पानी की क्वालिटी की रोज़ाना मॉनिटरिंग के लिए डब्ल्यूटीपी में एक हाई-लेवल वॉटर टेस्टिंग लैब भी स्थापित की गई है। शुद्ध जल को 8 नए ओवरहेड टैंक और बेहतर पाइप नेटवर्क से शहर के प्रत्येक हिस्से तक पहुंचाया जा रहा है।

योजना के अंतर्गत पुराने और क्षतिग्रस्त पाइपों को हटाकर नया वितरण नेटवर्क बिछाया गया है। बुरहानपुर में लगभग 41 हजार घरों में मीटरयुक्त नल कनेक्शन उपलब्ध कराए गए हैं, इससे लीकेज पर नियंत्रण हुआ है, जल के अपव्यय में कमी आई है और जल वितरण व्यवस्था अधिक सुचारु हुई है। वर्तमान में नगरवासियों को प्रति व्यक्ति लगभग 135 लीटर शुद्ध पेयजल प्रतिदिन मिल रहा है। बुरहानपुर में 275 ट्यूबवेल से जलापूर्ति की जा रही थी, नई प्रणाली से टैंकरों और ट्यूबवेल पर निर्भरता लगभग समाप्त हुई है। क्षेत्र में निरंतर गिरते भूजल स्तर के की समस्या का भी निराकरण होगा। योजना के क्रियान्वयन से लगभग 8 करोड़ की बचत होगी। अब तक नगर निगम द्वारा भूजल आधारित योजना के संचालन संधारण पर वार्षिक व्यय लगभग रूपये 10 से 12 करोड़ था।

सतत सम्पर्क से संभव हुआ योजना का क्रियान्वयन

प्रत्येक घर में पंजीकृत नल कनेक्शन सुरक्षित जल उपयोग, स्वच्छता, स्वास्थ्य और सामुदायिक जिम्मेदारी के प्रति स्थायी व्यवहार परिवर्तन की सोच के साथ, एमपीयूडीसी द्वारा व्यापक स्तर पर संपर्क किया गया। नवीन जल तंत्र में विश्वास को जगाना एक बड़ी चुनौती थी। इसके लिए घर-घर सर्वेक्षण, सामुदायिक परामर्श और फोकस समूह बैठकें और व्यापक सामाजिक आंकलन किया गया। परियोजना के पूर्ण होने के बाद जलजनित रोगों में भी गिरावट दर्ज की गई है। बुरहानपुर जल आवर्धन योजना ने शहर को सुरक्षित, स्वच्छ और सतत् जल आपूर्ति की मजबूत नींव दी है। यह पहल स्वास्थ्य के साथ पर्यावरण संरक्षण को मजबूती भी दे रही है।

आत्मनिर्भरता का लेना होगा संकल्प

किसी दार्शनिक ने कहा है कि गलतियां करना गुनाह नहीं है लेकिन गलतियों को दोहराना गुनाह है। आज नए साल के पहले दिन हमारे सामने यही संकल्प लेने का अवसर है कि पिछले साल की गलतियों को दोहराने से हम बचें और प्रगति के नए शिखरों पर पहुंचने की कोशिश करें। नए साल में भारत के सामने एक बड़ी चुनौती अपने पड़ोसी देशों के साथ संबंधों को बेहतर बनाने की होगी, खासकर बांग्लादेश और नेपाल के साथ। बांग्लादेश अपने निर्माण के समय से ही भारत का एक महत्वपूर्ण सहयोगी देश रहा है, लेकिन वर्ष 2024 में दुनिया के कुछ बड़े देशों ने अपने निहित स्वार्थ के लिए जिस तरह से शेख हसीना का तख्ता पलट करवाया, उसके बाद से शेख यूनुस की सरकार के साथ भारत के रिश्ते सामान्य नहीं हो सके हैं। रोटी-बेटी के रिश्तों वाले नेपाल के साथ भी इन दिनों भारत के रिश्ते बहुत अच्छे नहीं हैं और वहां के शासकों का झुकाव चीन की तरफ बढ़ रहा है। अमेरिका के साथ बनते-बिगड़ते रिश्तों के भविष्य की दृष्टि से भी वर्ष 2026 अहम होगा और इसके लिए हमें चीन से सीख लेनी होगी, जिसने रेयर अर्थ एलिमेंट्स सहित दुनिया के लिए महत्वपूर्ण कई चीजों पर लगभग एकाधिकार कायम करके अमेरिका की ऐसी नकेल कस रखी है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प चाहकर भी चीन पर अपनी धौंस जमा नहीं पा रहे हैं। चीन ने ये उपलब्धियां एक-दो वर्षों में हासिल नहीं की हैं, बल्कि दशकों पहले से उसने इसके लिए तैयारियां शुरू कर दी थीं। वैश्विक उथल-पुथल और सभी देशों द्वारा अपने-अपने आर्थिक हितों को प्राथमिकता दिए जाने से यह स्पष्ट हो गया है कि 'वैश्वीकरण' का गुब्बारा अब फूट चुका है तथा 'स्वदेशी' को बढ़ावा देकर ही हमें दुनिया में अपने बल पर आगे बढ़ना होगा। भारत के पास इतना बड़ा उपभोक्ता बाजार है कि हमें दूसरों पर निर्भर रहने की जरूरत ही नहीं है, बल्कि दूसरे देश हमारे बाजार से जो फायदा उठा रहे हैं, स्वदेशी को बढ़ावा देकर अगर हम उसे रोक सकें तो उसी से अपने देश को और समृद्ध बना सकते हैं। जीपीएस डेटा में गड़बड़ी से विमान की दिशा भटक सकती है, जो किसी बड़ी घटना का कारण बन सकती है। हालांकि भारत के पास अपना खुद का नाविक नामक स्वदेशी नेविगेशन सिस्टम है। लेकिन इसे अभी और भी मजबूत बनाए जाने की जरूरत है ताकि विदेशी जीपीएस पर निर्भरता खत्म या कम की जा सके। कुल मिलाकर वर्ष 2026 में हमें हर क्षेत्र में स्वदेशीकरण को बढ़ावा देने की दिशा में ध्यान देना होगा ताकि अमेरिका जैसे देशों की टैरिफ की धमकियों से हम बेअसर रहें और उथल-पुथल भरी दुनिया में भी आत्मनिर्भर बने रह सकें।

वैश्विक परिवार दिवस पर विशेष

भविष्य के लिए मजबूत परिवार ही मजबूत समाज और शांत विश्व की आधारशिला

ललित गर्ग
स्तंभकार

वैश्विक परिवार दिवस, शान्ति और साझेदारी का एक दिन, संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रतिवर्ष 1 जनवरी को मनाया जाता है। यह दिवस संयुक्त राष्ट्र सहस्राब्दी समारोह, 'शान्ति में एक दिन' से विकसित हुआ। समग्र विश्व एक वैश्विक ग्राम है और हम सभी इस बृहत-परिवार का हिस्सा हैं। भारत ने तो वसुधैव कुटुम्बकम् का उद्घोष करते हुए समूची दुनिया को एक परिवार ही माना है। वैसे भारत की परिवार परम्परा दुनिया के लिये अनुकरणीय है। हम सभी एक परिवार हैं, चाहे हमारी नागरिकता, धर्म, जाति, सीमाएं या नस्ल कुछ भी हो। समग्र मानव जाति को एक साथ आना चाहिए और प्रेम और शान्ति में विश्वास करना चाहिए और विश्व में सुख और आशा लाने हेतु इसका अभ्यास करना चाहिए। संसार संघर्षों, युद्धों, उपद्रवों, कष्ट और पीड़ा से भरा पड़ा है। यदि हम सभी एक साथ आएं और दुनिया को प्रेम और धैर्य से ठीक करें, तो हम सभी खुशी से और अपने हृदयों में आशा के साथ रह सकते हैं। वैश्विक परिवार दिवस विविधता एवं एकता और विश्व शान्ति और अहिंसा महत्त्व के बारे में जागरूकता लाता है।

इस दिवस की शुरुआत 1997 में हुई जब संयुक्त राष्ट्र महासभा ने नव सहस्राब्दी के पहले दिन से विश्व के बच्चों के लिए शांति और अहिंसा की संस्कृति के अंतर्राष्ट्रीय दशक की शुरुआत की। लिंडा ग्रोवर ने अमेरिका में इसे बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और इसे बढ़ावा देने के अन्य प्रयासों में 'वन डे इन पीस - जनवरी 1, 2000' जैसी पुस्तकें शामिल थीं। यह पुस्तक भविष्य में एक ऐसे दिन की अवधारणा पर आधारित थी जहाँ केवल शांति हो और कोई युद्ध न हो। हालांकि, यह एक नए शांतिपूर्ण विश्व की शुरुआत मात्र थी और 1999 में, संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों को उस वर्ष के पहले दिन को शांति निर्माण की रणनीतियों को विकसित करने के लिए समर्पित करने का निमंत्रण मिला। इस दिन के सकारात्मक प्रभाव को देखते हुए, संयुक्त राष्ट्र ने 2001 में वैश्विक परिवार दिवस को वार्षिक आयोजन घोषित कर दिया।

प्रत्येक वर्ष परिवार की भूमिका, उसकी बदलती संरचना और सामाजिक प्रासंगिकता पर विचार करने का अवसर देने वाला वैश्विक परिवार दिवस आज के समय में केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं रह गया है, बल्कि वह आधुनिक समाज की सबसे गहरी विडंबनाओं और चुनौतियों को उजागर करने वाला एक चिंतन-दिवस बन गया है। परिवार मानव जीवन की वह मूल इकाई है, जहाँ व्यक्ति का भावनात्मक, नैतिक और सामाजिक निर्माण होता है। भारतीय संदर्भ में परिवार केवल रक्त-संबंधों का समूह नहीं रहा, बल्कि वह संस्कारों की पाठशाला, शांति, सहयोग एवं सौहार्द की प्रयोगभूमि और जीवन-मूल्यों का आधार रहा है। इसी परिवार-परंपरा ने भारत को सदियों तक सामाजिक स्थिरता, अहिंसा, सहिष्णुता और मानवीय करुणा का देश बनाए रखा। आज विडंबना यह है कि जिस भारतीय परिवार व्यवस्था को दुनिया एक आदर्श मॉडल के रूप में देख रही है, उसी भारत में वह धीरे-धीरे उपेक्षा और विस्मृति का शिकार होती जा रही है।

वैश्वीकरण, शहरीकरण, प्रतिस्पर्धा और उपभोक्तावादी जीवनशैली ने परिवार को सुविधा-केंद्रित इकाई में बदल दिया है। संयुक्त परिवारों का विघटन, एकल परिवारों का बढ़ना और रिश्तों में औपचारिकता का प्रवेश इस परिवर्तन की स्पष्ट पहचान है। माता-पिता दोनों के कार्यरत होने की स्थिति में बच्चों के साथ समय बिताना एक चुनौती बन गया है। परिणामस्वरूप बचपन, जो कभी परिवार के स्नेह, संवाद और अनुभवों से संवरता था, आज स्क्रीन, अकेलेपन और भावनात्मक रिक्तता के बीच पनप रहा है। बच्चों के जीवन में माता-पिता की अनुपस्थिति केवल समय की कमी नहीं है, बल्कि वह सुरक्षा, संवाद और मार्गदर्शन की कमी भी है। परिवार का वह सहज वातावरण, जहाँ प्रश्न पूछे जा सकते थे, गलतियाँ स्वीकार की जा सकती थीं और भावनाएँ साझा की जा सकती थीं, आज धीरे-धीरे सिमटता जा रहा है। बुजुर्ग, जो कभी परिवार की धुरी हुआ करते थे, अनुभव और संस्कार के संवाहक थे, आज कई घरों में हाशिये पर खड़े दिखाई देते हैं। उनके पास समय नहीं, धैर्य नहीं और कभी-कभी सम्मान भी नहीं बचा। यह स्थिति केवल पीढ़ियों के बीच दूरी नहीं बढ़ा रही, बल्कि समाज को उसके नैतिक आधार से भी वंचित कर रही है।

वैश्विक परिवार दिवस और शांति व साझेदारी का वैश्विक संदेश हमें यह सिखाता है कि परिवार जितना सशक्त होगा, समाज उतना ही शांत और सहयोगी बनेगा। परिवारों में संवाद होगा तो समाज में टकराव कम होंगे। परिवारों में साझेदारी होगी तो राष्ट्रों के बीच भी सहयोग की भावना मजबूत होगी। इसलिए आज आवश्यकता इस बात की है कि भारत अपनी पारिवारिक परंपरा को बोझ नहीं, बल्कि वैश्विक समाधान के रूप में देखे। अंततः वैश्विक परिवार दिवस हमें आत्ममंथन का अवसर देता है। यदि परिवार सशक्त हुए तो शांति, साझेदारी और मानवीय मूल्यों का भविष्य सुरक्षित रहेगा। भारतीय परिवार परंपरा आज भी प्रासंगिक है, आवश्यक है कि हम उसे समयानुकूल रूप देते हुए अपने जीवन के केंद्र में पुनः स्थापित करें, क्योंकि मजबूत परिवार ही मजबूत समाज और शांत विश्व की आधारशिला होते हैं।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

सनातन संस्कृति, भारत और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विरुद्ध रचे जा रहे झूठे विमर्श

प्रहलाद सबनानी
स्तंभकार

भारत आज केवल उभरती हुई अर्थव्यवस्था नहीं बल्कि वैश्विक राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक संतुलन को प्रभावित करने वाली शक्ति बन चुका है। पश्चिमी देशों का एकछत्र वर्चस्व अब चुनौती के दौर से गुजर रहा है और भारत स्पष्ट रूप से इस परिवर्तन की अगुवाई करता दिखाई देता है। यही कारण है कि कुछ पश्चिमी देश और उनके प्रभाव में काम करने वाले संस्थान भारत, सनातन हिन्दू संस्कृति और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के विरुद्ध निराधार, तथ्यहीन और पूर्वाग्रह पूर्ण विमर्श गढ़ने में लगे हैं।

दरअसल, पश्चिमी दृष्टिकोण की सबसे बड़ी समस्या यह रही है कि वे आधी-अधूरी जानकारी को सम्पूर्ण सत्य मान लेते हैं। इतिहास इसका साक्षी है। आक्रांताओं और अंग्रेजों के शासनकाल में भी सनातन हिन्दू संस्कृति को रूढ़िवादी, अवैज्ञानिक और पिछड़ा सिद्ध करने का प्रयास किया गया, परंतु समय ने यह प्रमाणित कर दिया कि वे सभी धारणाएँ गलत थीं। आज योग, आयुर्वेद, ध्यान, पर्यावरण संतुलन और जीवन मूल्यों पर आधारित भारतीय परंपराएँ विज्ञान की कसौटी पर खरा उतर रही हैं। आज भी वही मानसिकता कुछ पश्चिमी मीडिया संस्थानों में दिखाई देती है। अमेरिका से प्रकाशित न्यूयॉर्क टाइम्स जैसे समाचार पत्रों में हाल ही में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विषय में प्रकाशित लेख इसका उदाहरण हैं। ऐसे लेख न तो भारत के सामाजिक यथार्थ को समझते हैं और न ही संघ की वैचारिक, सामाजिक और राष्ट्र निर्माण में निभाई गई भूमिका को। तथ्यों, आंकड़ों और स्वतंत्र स्रोतों के अभाव में लिखे गए ये लेख केवल पूर्वाग्रहों पर आधारित होते हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना वर्ष 1925 में हुई थी। प्रारंभ से ही संघ ने देशभर में शाखाओं के माध्यम से युवाओं में राष्ट्रभक्ति, सामाजिक समरसता और अनुशासन का भाव जागृत किया। साल 1947 तक आते-आते संघ के स्वयंसेवकों की एक सशक्त टोली राष्ट्रसेवा के लिए तैयार थी। जब साल 1947 में पाकिस्तानी सेना ने कबाइलियों के भेष में कश्मीर पर आक्रमण किया, तब बिना किसी औपचारिक प्रशिक्षण के संघ के स्वयंसेवकों ने सीमा पर चौकसी रखी और भारतीय सेना के साथ मिलकर मातृभूमि की रक्षा में प्राणों का बलिदान दिया। विभाजन के समय हुए भयानक दंगों में पाकिस्तान से आए लाखों हिन्दू शरणार्थियों के लिए संघ ने भारत भर में 3,000 से अधिक राहत शिविर लगाए। भोजन, आवास, चिकित्सा और पुनर्वास की व्यवस्था कर संघ ने मानवता और राष्ट्रधर्म का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया।

कश्मीर के भारत में विलय के समय उत्पन्न संकट में भी संघ की ऐतिहासिक भूमिका रही। महाराजा हरि सिंह के हस्ताक्षर के बिना भारत सरकार निर्णय लेने में असमर्थ थी। ऐसे समय में सरदार वल्लभ भाई पटेल के आग्रह पर सरसंघचालक श्री गुरु गोलवलकर जी कश्मीर गए और महाराजा को भारत में विलय के लिए सहमत किया। इस प्रकार संघ ने कश्मीर को पूर्ण रूप से पाकिस्तान के कब्जे में जाने से बचाने में निर्णायक योगदान दिया।

दादरा-नगर हवेली और गोवा मुक्ति आंदोलन में भी संघ के स्वयंसेवकों ने अग्रणी भूमिका निभाई। साल 1954 में दादरा-नगर हवेली को पुर्तगालियों से मुक्त कर भारत में विलय कराया गया। गोवा के संदर्भ में जब तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू सशस्त्र कार्रवाई के पक्ष में नहीं थे, तब साल 1955 में संघ के स्वयंसेवकों ने आंदोलन प्रारंभ किया। अनेक कार्यकर्ताओं को कारावास झेलना पड़ा, पर साल 1961 में अंततः गोवा को स्वतंत्रता प्राप्त हुई। 1962 के चीन युद्ध और 1965 के भारत-पाक युद्ध में संघ के स्वयंसेवकों ने सेना और प्रशासन की हरसंभव सहायता की। रसद, यातायात नियंत्रण, हवाई पट्टियों की सफाई, घायलों के लिए रक्तदान और शहीद परिवारों की देखभाल, हर क्षेत्र में स्वयंसेवकों ने निःस्वार्थ सेवा की। साल 1963 की गणतंत्र दिवस परेड में संघ के स्वयंसेवकों को शामिल होने का निमंत्रण स्वयं प्रधानमंत्री नेहरू ने दिया था, जो संघ की भूमिका की आधिकारिक स्वीकृति थी। संघ ने आपदा और युद्ध के समय ही नहीं बल्कि शिक्षा, श्रम और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में भी राष्ट्र निर्माण का कार्य किया है। विद्या भारती, एकल विद्यालय, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद्, भारतीय मजदूर संघ और सेवा भारती जैसे संगठन करोड़ों लोगों के जीवन को दिशा दे रहे हैं। विद्या भारती आज हजारों विद्यालयों के माध्यम से लाखों छात्रों को शिक्षा और संस्कार प्रदान कर रही है। भारतीय मजदूर संघ ने श्रमिक आंदोलनों को संघर्ष के बजाय निर्माण की दिशा दी और आज विश्व का सबसे बड़ा श्रमिक संगठन है।

सेवा भारती देश के दुर्गम और वनवासी क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य और आत्मनिर्भरता का कार्य कर रही है। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद से अनाथ हुए मुस्लिम और हिन्दू बच्चों को गोद लेकर संघ ने यह सिद्ध किया है कि उसकी सेवा का आधार मानवता है, न कि किसी प्रकार का भेदभाव। इतिहास के महापुरुषों ने भी संघ के कार्यों को सराहा है। महात्मा गांधी ने संघ के शिविर में अनुशासन और सामाजिक समरसता को देखा, वहीं डॉ. भीमराव अंबेडकर भी संघ के राष्ट्रीय दृष्टिकोण से परिचित थे। अतः यह आवश्यक है कि भारतवासी सनातन संस्कृति, भारत और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बारे में तथ्यपूर्ण और प्रामाणिक जानकारी रखें। तभी हम बाहरी शक्तियों द्वारा गढ़े जा रहे झूठे विमर्शों को प्रभावी ढंग से ध्वस्त कर सकेंगे और विश्व के सामने भारत की सच्ची तस्वीर प्रस्तुत कर पाएँगे।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ टिप्स

खाली पेट चाय-कॉफी पीने की आदत से शरीर में होती है आयरन की कमी

भारतीयों के अंदर चाय एक शगल है। खालीपन मिटाने से लेकर मेहमान नवाजी तक इसके बिना अधूरी है। हालांकि भारत में अब थोड़ी इज्जत कॉफी को भी मिलने लगी है। कॉर्पोरेट मिटिंग्स से लेकर कपल्स डेट, धीरे-धीरे यह क्रीमी ड्रिंक जगह बनाने लगी है। भारतीयों के लिए चाय या कॉफी एक मॉर्निंग ड्रिंक है, जो उन्हें नींद से जगाकर एनर्जेटिक बनाने में मदद करती है।

अधिकतर लोग सुबह सबसे पहले चाय या कॉफी पीते हैं, लेकिन खाली पेट इन्हें नहीं पीना चाहिए। पेट के डॉक्टर शुभम वत्स ने इन्हें खाली पेट ना पीने को दो बड़े कारण बताए हैं। जिसमें से एक कारण आपको मिल रही थोड़ी बहुत 'ताकत' को भी खत्म कर रहा है। आइए जानते हैं कि गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट का इस बारे में क्या कहना है।

डॉक्टर ने वीडियो में कहा कि भारत में खाली पेट चाय पीना एक ट्रेंड है। लेकिन यह आपको नहीं करना चाहिए। उन्होंने इसके दो कारण बताए हैं, जो आपकी सेहत पर काफी असर डाल रहे हैं। शायद इन्हें जानने के बाद आप खाली पेट चाय-कॉफी छोड़ देंगे। डॉक्टर का कहना है कि खाली पेट चाय पीने से आपकी एसिडिटी पक्का बढ़ेगी। आप जब भी चाय या कॉफी खाली पेट लेंगे तो यह दिक्कत होगी ही। क्योंकि इनके अंदर कैफीन होता है, जो एक एसिडिक सब्सटांस है। इस वजह से एसिडिटी से परेशान लोगों को यह गलती बिल्कुल नहीं करनी चाहिए।

चाय-कॉफी के नुकसान : डॉक्टर ने दूसरा नुकसान काफी गंभीर बताया है। उनका कहना है कि भारत की अधिकतर आबादी वेजिटेरियन है। जिनके अंदर वैसे ही आयरन की कमी होती है। आयरन कम होने से शरीर के अंदर खून की कमी हो सकती है, जो कि आपकी ताकत का प्रमुख घटक है। खून की कमी से कमजोरी, थकान, पीली आंखे-चेहरा, सांस फूलने की समस्या हो सकती है। चाय-कॉफी में कैफीन होता है। अगर आप इसे ब्रेकफास्ट के साथ लेते हैं तो नुकसान हो सकता है। क्योंकि यह वेजिटेरियन ब्रेकफास्ट में थोड़े बहुत मौजूद आयरन को भी शरीर में अवशोषित होने से रोक देती है। जिस वजह से आयरन का लेवल और गिर सकता है।

अगर आप कभी-कभी चाय-कॉफी पीते हैं या इस आदत को नहीं छोड़ सकते तो एक काम कर सकते हैं। डॉक्टर का कहना है कि आपको इन ड्रिंक से पहले कुछ खा लेना चाहिए। उसके कम से कम आधे घंटे बाद चाय या कॉफी पीनी चाहिए।

निशाना

नया कहां है साल जमूरे..!

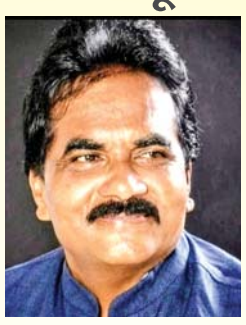

घनश्याम मैथिल 'अमृत

नया कहाँ है साल जमूरे,
सबकुछ है बदहाल जमूरे,
दौलत सोना चांदी उनकी,
हम हरदम कंगाल जमूरे,
हम सेवक हैं सदा आपके,
पीट रहे तर माल जमूरे,
बैठे हैं वो जिस डाली पे,
काट रहे वो डाल जमूरे,
तुम्हें बताना मालिक घर का,
इनकी गहरी चाल जमूरे,
रूखी सूखी हमें न मिलती,
यह खाएं तर माल जमूरे,
हुए सूख कर कांटा देखो,
बस हड्डी पर खाल जमूरे,
मीठी बातों में मत आना,
फेंक रहे हैं जाल जमूरे,
मुट्ठी बांध सामने आ तू,
मत बन इनकी ढाल जमूरे।

टेक्नो अपडेट

ChatGPT पर चुपचाप सेव हो रही आपकी जानकारी, आसान स्टेप्स से होगी सुरक्षा

ओपनएआई का चैटजीपीटी दुनियाभर में एक पॉपुलर एआई चैटबॉट बन गया है। यह आपकी बातचीत से बहुत कुछ सीखता है और याद रखता है। यह आपकी निजी जानकारी चुपचाप सेव रखता है। लेकिन कई लोग नहीं चाहते कि उनकी निजी बातें कंपनी के पास रहें। अच्छी बात यह है कि चैटजीपीटी में कई सेटिंग्स हैं जिनसे आप अपनी प्राइवेसी को बनाए रख सकते हैं। यहां 5 आसान तरीके बताए जा रहे हैं जिनसे आप चैटजीपीटी को अपनी ज्यादा जानकारी देने से रोक सकते हैं। ये तरीके इस्तेमाल करके आप सुरक्षित रहेंगे।

1. अकाउंट ना बनाएं: पीसी मैग की रिपोर्ट (Ref.) बताती है कि अगर आप चैटजीपीटी इस्तेमाल करते हैं तो आमतौर पर अकाउंट बनाना पड़ता है। लेकिन अब आप बिना अकाउंट बनाए भी इसे चला सकते हैं। चैटजीपीटी की वेबसाइट पर जाएं और सीधे बात शुरू करें। इससे आपकी बातचीत का रिकॉर्ड नहीं बचता और कंपनी को आपकी जानकारी कम मिलती है। अगर आपको सिर्फ बेसिक इस्तेमाल करना है और प्राइवेसी चाहिए तो यह सबसे अच्छा तरीका है।

2. इस तरह साइन-अप ना करें: अगर अकाउंट बनाना ही पड़े तो सावधानी रखें। चैटजीपीटी में साइन-अप करते समय गूगल, ऐपल या माइक्रोसॉफ्ट अकाउंट से जुड़ने का विकल्प मिलता है। लेकिन इससे आपकी कुछ जानकारी उन कंपनियों से शेयर हो जाती है। बेहतर है कि अपना अलग ई-मेल और मजबूत पासवर्ड इस्तेमाल करके अकाउंट बनाएं। इस तरह आपका चैटजीपीटी अकाउंट दूसरे अकाउंट से नहीं जुड़ेगा और पासवर्ड बदलना भी आसान रहेगा।

3. टेंपरेरी चैट का इस्तेमाल करें: अकाउंट से लॉगिन करने पर चैटजीपीटी आपकी सभी बातचीत याद रखता है और उन्हें ट्रेनिंग में इस्तेमाल कर सकता है। लेकिन अगर कोई खास बातचीत पर्सनल रखनी हो तो टेंपरेरी चैट शुरू करें। चैट विंडो में कोने पर टेंपरेरी चैट का बटन दबाएं। स्क्रीन काली हो जाएगी और मैसेज आएगा कि यह चैट याद नहीं रखी जाएगी। इस मोड में आप ज्यादा निजी बातें कर सकते हैं क्योंकि यह मेमोरी में नहीं जाती।

4. मेमोरी फीचर बंद करें: चैटजीपीटी आपकी बताई बातें याद रखता है जैसे आप क्या काम करते हैं, आपके क्या शौक हैं या परिवार में कौन कौन है। ये वही जानकारी है जिसे यूजर ने कभी न कभी चैटजीपीटी से साझा कि?या है। यदि आप नहीं चाहते कि यह जानकारी चैटजीपीटी के पास सेव हो तो मेमोरी ऑफ करें। सेटिंग्स में पर्सनलाइजेशन सेक्शन में जाएं और 'रेफरेंस सेव्ड मेमोरीज' बंद करें।

5. निकनेम समेत बाकी जानकारी हटाएं: पर्सनलाइजेशन स्क्रीन पर आप अपना निकनेम, नौकरी या दूसरी डिटेल्स डाल सकते हैं। अगर डाल चुके हैं और हटाना चाहते हैं तो फील्ड्स खाली करें और सेव करें। इससे चैटजीपीटी को आपकी पर्सनल जानकारी नहीं मिलेगी। यह आसान तरीका है पुरानी जानकारी मिटाने का।

अजब - गजब

दुर्लभ नज़ारे की साक्षी बनेगी दुनिया दिखेगा चमक बिखेरता 'वुल्फ मून'

2026 का आगाज़ एक धमाकेदार खगोलीय नजारे के साथ होगा। 3 जनवरी को साल का पहला पूर्ण चंद्रमा, जिसे 'वुल्फ मून' कहा जाता है, एक सुपरमून के रूप में चमकेगा। ये सुपरमून ना सिर्फ साल का पहला फुल मून है, बल्कि 2026 में पूरे साल में दिखने वाला सबसे चमकीला चंद्रमा होगा। चंद्रमा पृथ्वी के सबसे करीब (पेरिजी) होगा, जिससे वो सामान्य पूर्णिमा से 14 प्रतिशत बड़ा और 30 प्रतिशत ज्यादा चमकीला दिखेगा। इसकी पीक फुलनेस 3 जनवरी को भारत में दोपहर बाद 3:33 होगी, लेकिन असली जादू तो सूर्यास्त के बाद होगा दिखाई देगा।

2 और 3 जनवरी की शाम को चंद्रमा पूर्वी क्षितिज पर बहुत नीचे दिखेगा। यानी ये और सुनहरा, बड़ा और ड्रामेटिक होगा। इसे 'मून इल्यूजन' कहते हैं, जहां क्षितिज के पास चंद्रमा और भी विशाल लगता है। भारत में शाम 6-7 बजे से ये नजारा शुरू होगा, और रात भर चमकता रहेगा। इसे शहरों की लाइट्स से दूर खुले मैदान, छत या गांव में देखना सबसे अच्छा बताया जा रहा है। बात अगर 'वुल्फ मून' नाम की करें, तो इसकी कहानी बहुत पुरानी है। अमेरिकी नेटिव इंडियन और यूरोपीय परंपराओं में जनवरी के पूर्ण चंद्रमा को इस नाम से पुकारा जाता था, क्योंकि सर्दियों में भोजन कम होता था, रातें लंबी और ठंड बहुत तेज होती थी। ऐसे में गांवों के बाहर भेड़िए भूख से जोर-जोर से भौंकते थे। तब से इसे वुल्फ मून कहा जाने लगा.

पूरे देश में दिखाई देगा : सुपरमून तब होता है जब पूर्णिमा पृथ्वी के सबसे नजदीकी पॉइंट (पेरिजी) पर होती है। तीन जनवरी का ये सुपरमून 356,800 किमी दूर होगा, जो औसत से 10 फ़ीसदी ज्यादा करीब है। इसका नतीजा होगा कि चांद बड़ा, चमकीला और फोटोजेनिक लगेगा। खगोल वैज्ञानिक कहते हैं कि ये साल में 3-4 सुपरमून में से पहला है। भारत में ये नजारा पूरे देश में दिखेगा। दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, बेंगलुरु–कहीं भी आसमान साफ हो तो इसे देख सकते हैं। उत्तर भारत में ठंडी हवा और साफ आसमान इसे और खूबसूरत बनाएगा। वहीं दक्षिण में भी शाम को चंद्रमा पूर्व में उगते ही बड़ा दिखेगा।

न्यूज विंडो

ट्रेक्टर-ट्रॉली पलटने से बची, सड़क पर फैली किसान की मक्का

सिरोंज। दशहरा मैदान में बनाए गया अस्थायी नीलामी परिसर किसानों को काफी नुकसानदायक साबित हो रहा है। इस नीलामी परिसर के दोनों ही रास्ते कच्चे और उबड़-खाबड़ है। किसानों की टेउक्टर-ट्रालियां इसी रास्ते से हिचकोले खाते हुए निकलती हैं और हर समय इनके पलटने का डर बना रहता है। बुधवार सुबह मक्का से भरी एक ट्रैक्टर-ट्राली इस मार्ग पर पलटते हुए बच गई। ट्राली में भरी किसान की करीब 10 क्विंटल मक्का इस रास्ते ही गिर गई। मक्का की काफी मात्रा तो सड़क से सटे तालाब में गिर गई। इसके बाद किसान ने सड़क पर फैली मक्का को तो समेट लिया लेकिन तालाब में गिरी मक्का का उसे नुकसान हो गया।

भारी वाहन चालकों की आंखों की जांच के लिए हाइवे में लगाया नेत्र शिविर

मंडीदीप। रायसेन पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता का एक नवाचार इन दिनों काफी वायरल हो रहा है जहां मंडीदीप और सतलापुर के थाना प्रभारी मुख्य रूप से वाहन को रोक कर ड्राइवर और क्लीनर के आंखों की जांच के निर्देश दिए जिले में ये पहला ऐसा शिविर का आयोजन किया गया जिसमें पुलिस द्वारा निःशुल्क व्यवस्था की गई। ठंड में कोहरा होने की वजह से सड़क में एक्सीडेंट के आंकड़ों में आए दिन बढ़ोत्तरी हो रही है जिसको लेकर पुलिस अधीक्षक रायसेन ने एक नवाचार प्रयोग कर ड्राइवर को संदेश दिया। इस मौके पर मुख्य रूप से प्रकाश नेत्रालय भोपाल के जाने माने नेत्र जांच की टीम द्वारा परीक्षण किया जिसमें लगभग 150 से अधिक लोगों की आंखों का परीक्षण किया गया। वही पुलिस विभाग के एसडीओपी बाड़ी नीलम चौधरी सतलापुर थाना प्रभारी विजय त्रिपाठी, मंडीदीप रंजीत सराठे , नूरगंज प्रभारी तेजपाल सिंह समेत दोनों थानों का स्टाफ मौजूद रहा।

शिविर में हुआ बौद्धिक सत्र का आयोजन, छात्राओं ने निकाली रैली

गंजबासौदा। ग्राम हरदूखेड़ी शासकीय स्कूल में सैण्ट एसआरएस पब्लिक हायर सैकेण्डरी स्कूल के राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय शिविर के अवसर पर बौद्धिक सत्र आयोजित किया गया। इस मौके पर नपाध्यक्ष शशि यादव ने कहा कि आप सेना में जाएं या न जाएं, आप जीवन में यौद्धा की तरह जिएं। जीतने के लिए हमेशा प्रयास करते रहना है। जीवन में शार्टकट न चुनें बल्कि बालक हो या बालिकाएं धैर्य के साथ प्रयास करते रहें, मेहनत के साथ जीवन जीएं, सफलता अवश्य मिलेगी। क्योंकि मन के हारे हार है, मन के जीते जीत है। स्वच्छता में प्रत्येक बच्चे और नागरिक सहयोग करेंगे तो नगर स्वच्छ भी होगा। फीडबैक फाऊंडेशन के परियोजना प्रभारी भरतकांत द्विवेदी ने बताया कि फाऊंडेशन और नगर पालिका द्वारा घर-घर से कचरा संग्रहण कर कचरे का ट्रीटमेंट किया जा रहा है। उसे हम उपयोगी बनाते हैं। आज प्रदेश के शहरों में स्वच्छता में गंजबासौदा का 27 वां स्थान आया है। राजेश नेमा ने कहा कि स्वच्छता स्वास्थ्य का प्रथम कदम है। संस्था डायरेक्टर केएस यादव ने अतिथि सम्मान कर स्वयंसेवकों को स्वस्थ रहने, स्वच्छता रखने का आह्वान किया।

नर्मदापुरम पुलिस लाइन का एसपी ने किया निरीक्षण

नर्मदापुरम। साल 2025 के अंतिम दिन पुलिस अधीक्षक साई कृष्णा एस थोटा ने पुलिस लाइन का वार्षिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न शाखाओं के कामकाज का विस्तृत जायजा लिया।एसपी थोटा ने आर्म्स, स्टोर शाखा, बीडीडीएस टीम, एमटी शाखा, पुलिस कैंटीन, दिशा लर्निंग सेंटर तथा जिम की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। सभी शाखाओं से जुड़े रजिस्टरों, उपकरणों, वाहनों और अन्य संसाधनों की स्थिति की समीक्षा कर समुचित रख-रखाव व बेहतर उपयोग के निर्देश दिए।उन्होंने कार्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों की सराहना की। दिशा लर्निंग सेंटर, जिम और पुलिस कैंटीन में आधुनिक, स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण बनाए रखने के निर्देश दिए। एसपी ने अधिकारियों-कर्मचारियों को कानून-व्यवस्था मजबूत करने, जनहित में निष्ठापूर्वक कार्य करने, पारदर्शिता एवं अनुशासन बनाए रखने को कहा है।निरीक्षण के दौरान रक्षित निरीक्षक स्नेहा चंदेल, सूबेदार सूरज जमरा तथा ईशान रिछारिया मौजूद रहे।

कारोबारी दंपत्ति की घर में घुसकर हत्या, आरोपी ने खुद को भी मारी गोली

सिंधू आराधना गली के मकान में चली ताबड़तोड़ गोलियां, पति-पत्नी सहित 3 की लाश मिली

मंदसौर। दोपहर मेट्रो

नगर में 31 जनवरी की रात जब नए साल के स्वागत की लोग तैयारी कर रहे थे तभी एक मकान में ताबड़तोड़ चली गोलियों ने दहशत फैला दी। घटना शहर के गोल चौराहा के करीब सिंधू आराधना गली में एक निजी लैब के पीछे के मकान की है। यहां रात करीब 9 बजे गोली मारकर एक अज्ञात शख्स ने पति-पत्नी की हत्या करते हुए स्वयं को गोली मारकर आत्महत्या कर ली।

पुलिस के अनुसार मृतक दिलीप कुमार व उनकी पत्नी रेखा सहित एक अन्य का शव घर में मिला है। मृतकों में एक के हाथ में तलवार, दूसरे

के हाथ में रिवॉल्वर, तीसरे के हाथ में अन्य हथियार मिला है। घर में गोलियां चलने की आवाज जैसे ही पड़ोसियों ने सुनी तो तुरंत पुलिस को सूचना दी जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची तो घर के अंदर का नजारा देख हैरान रह गई। एसपी विनोद मीना भी मौके पर पहुंचे और एफएसएल के दल को बुलाकर घटनास्थल की जांच करवाई।

रिश्तेदारों से की पूछताछ

वारदात की वजह गोल्ड लेन-देन बताया जा रहा है हालांकि पुलिस ने इसकी पुष्टि नहीं की है। एसपी व साथ आए अन्य अधिकारियों ने आसपास रहने वालों सहित करीबी रिश्तेदारों से पूछताछ की है। घर में मिले कारोबारी दिलीप कुमार, उनकी पत्नी रेखा व आरोपी विकास सोनी निवासी निम्बाखेड़ा के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। इस घटना से पूरे इलाके ही नहीं शहर में सनसनी फैल गई है।

20 साल बेमिसाल: चार अध्यक्ष के बीते कार्यकाल, नपा फिर भी बदहाल

नगर के चार बड़े प्रोजेक्ट को पूरा होने में अभी और करना पड़ेगा 2 साल का इंतजार

मंडीदीप। दोपहर मेट्रो

मंडीदीप में आम जनता को मूलभूत सुविधा जैसे स्वच्छ जल, सुंदर गार्डन, सीवेज, बस स्टैंड, खेल मैदान, यात्री प्रतीक्षालय,व्यवस्थित सड़क जैसी सुविधाओं के लिए आम जन को अभी दो साल और इंतजार करना पड़ सकता है। मंडीदीप में नगर पालिका का कार्यकाल पूर्व में कर अध्यक्ष ने पूरा कर दिया लेकिन नगर के लिए किसी भी अध्यक्ष और जनप्रतिनिधि ने मूलभूत सुविधाएं दिलाने में आम जनता के रिपोर्ट कार्ड में फेल साबित हुए हैं, नगर पालिका में चल रहे बड़े प्रोजेक्ट जिसकी लागत करोड़ों में आंकी जा रही है अमृत योजना ,कायाकल्प, एस. टी.पी, ई.टी.पी ,स्मार्ट पार्किंग, कचरा को पुनः चक्रण कर उससे खाद बना कर व्यवस्थित करना,सतलापुर में डामरीकरण सड़क, सीवेज चैनेलाइजेशन, नाली निर्माण, जैसे बड़े प्रोजेक्ट की समय सीमा एक वर्ष पूर्व ही पूरी हो चुकी थी। नपा में कही न कही वित्तीय समस्याओं को देखते हुए परियोजना अधर में अटकी है। वही नगर के दो लाख से अधिक जनता को शुद्ध जल और व्यवस्थित सड़क जैसी सुविधा की बहुत जरूरत है परंतु जनता को सिर्फ वादे ही मिल पाए है और सुविधाएं ऊंट के मुंह में जीरा के बराबर मिला है।

वही नगर पालिका के कार्यकाल को चार पंचवर्षीय से भी अधिक समय हो गए। जिसमें जिसमें हर अध्यक्ष ने अपने वादे जनता को किए लेकिन वादे और दावों के अलावा आम जनता को सुविधाओं के नाम पर कुछ खास नहीं मिल पाया। वही नगर मंडीदीप की उप नगरी राहुल नगर के करीब एक हजार से अधिक परिवार को 20 सालों से पट्टे नहीं मिल पाए। वन विभाग और उद्योग विभाग के फेर में परिवार पट्टे के लिए आज भी इंतजार कर रहे है। उम्मीद नए वर्ष की है जिसमें एम.पी.आर.डी.सी राजस्व विभाग को जल्द ही हस्तांतरित करेगी। नगर पालिका क्षेत्र के अंतर्गत 26 वार्ड है, सम्मिलित 9 वर्ष पूर्व सम्मिलित वार्डो में सुविधाएं न होने से आम जन में आए दिन रोष उत्पन्न हो रहा है। वही नपा की दोहरे रवैया के कारण कुछ ही वार्डो का विकाश हुआ, वो भी जनप्रतिनिधियों ने सिर्फ अपने चाहतें वार्डो में किया। वही नगर में चल रहे प्रोजेक्ट की देरी होने से प्रोजेक्ट की लागत में भी बढ़ोत्तरी हो रही है जिससे कही न कही ठेकेदार घाटे में आकर काम को बंद कर रहे है।

> नगर पालिका के पास कोई भी काम करने का सुनियोजित तरीका नहीं है। जिससे नगर के विकाश साल दर साल प्रभावित और काम में देरी हो रही है। सभी एहम प्रोजेक्ट समय पर पूरे न हो पाना नपा जनप्रतिनिधियों को इस ओर ध्यान देना चाहिए।
> -**दीपेश मीना**, पूर्व कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष मंडीदीप
>
> हमारे 3 साल के कार्यकाल में ज्यादातर प्रोजेक्ट का 70त्न काम हो चुके है बचे हुए 30 फीसदी भी जल्द पूरे हो जाएंगे। 26 जनवरी के पहले 11 करोड़ प्रोजेक्ट के भूमि पूजन भी जल्द किए जाएंगे।
> -**प्रियंका राजेंद्र अग्रवाल**, नपाध्यक्ष मंडीदीप

जिले की उपलब्धियों, नवाचारों और विकास को समर्पित रहा वर्ष 2025: कलेक्टर

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

कलेक्टर सोनिया मीना ने जिले के सभी नागरिकों को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि नया वर्ष सभी के जीवन में सुख, समृद्धि, स्वास्थ्य और खुशहाली लाए। कलेक्टर ने आशा जताई कि 2026 में जिले का सर्वांगीण विकास होगा और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचेगा।श्रीमती मीना ने बताया कि वर्ष 2025 नर्मदापुरम के लिए उपलब्धियों से भरा रहा। यह नवाचारों, औद्योगिक विस्तार, पर्यटन विकास, शैक्षणिक सुधार और प्रशासनिक उत्कृष्टता का वर्ष रहा। जिले का नवाचार %सीटी बजाओ, बच्चे बुलाओ% को राष्ट्रीय स्कॉच अवार्ड मिला। इसके अलावा, सर्वश्रेष्ठ निर्वाचन आईटी पहलों और लोकसभा चुनाव 2024 के सफल आयोजन के लिए राज्यपाल से पुरस्कार प्राप्त हुए।मिशन परिवर्तन ञ्च100 से स्वास्थ्य, शिक्षा और पोषण में नवाचारों को बल मिला। औद्योगिक इकाइयों का विस्तार हुआ, फिल्म टूरिज्म उभरा तथा रेड क्रॉस शाखा को उत्तम सामुदायिक सेवा पुरस्कार मिला। शिक्षा में 10वीं में प्रदेश में 8वां और 12वीं में 10वां स्थान हासिल किया। चौरागढ़ मेला, नागद्वारी मेला (सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट थीम) और ग्रामीण पर्यटन प्रयासों के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से प्रशंसा पत्र प्राप्त हुआ।कलेक्टर ने सद्भाव, सहयोग और सकारात्मक सोच से जिले को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का आह्वान किया। उन्होंने 2026 में विकास को गति देने और योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने का वादा किया।

जिला कार्यकारिणी में नियुक्ति से नगरवासियों में हर्ष का माहौल

महेश्वर। दोपहर मेट्रो

भाजपा जिला खरगोन की नव नियुक्त जिला कार्यकारिणी में नगर की जानी-मानी महिला नेत्री श्रीमती सिंधु राजेश जोशी को जिला मंत्री नियुक्त किए जाने पर नगर में हर्ष और उत्साह का वातावरण व्याप्त है। उनकी नियुक्ति की खबर मिलते ही भाजपा कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों ने खुशी जाहिर की। इस अवसर पर नगर के जय स्तंभ चौराहे पर स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहां कार्यकर्ताओं ने पुष्पमालाओं से उनका आत्मीय स्वागत किया। स्वागत कार्यक्रम में पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष बक्सीराम यादव, मनोज पाटीदार, सोनू चौहान, राजश्री कौशल्य, यामिनी सोनी, वीरु आमगा, रामेश्वर सेन, शशी महाजन सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता एवं नगरवासी उपस्थित रहे। सभी ने श्रीमती जोशी को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की।

इस अवसर पर श्रीमती सिंधु जोशी ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह स्वागत उनका व्यक्तिगत नहीं बल्कि पूरे भाजपा संगठन का सम्मान है। उन्होंने कहा कि शीर्ष नेतृत्व ने जो दायित्व उन्हें सौंपा है, उसे वे पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ निभाएंगी। उन्होंने यह भी कहा कि सभी कार्यकर्ताओं के सहयोग से केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करेंगी तथा संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत बनाने का प्रयास करेंगी।

रिपोर्टर पर पुलिस की बर्बरता: वॉइस ऑफ मीडिया ने दोषी पुलिस कर्मियों पर कार्रवाई की मांग की

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

आष्टा में कवरेज के दौरान मीडिया रिपोर्टर प्रमोद शर्मा और उनके कैमरामैन पर पुलिस की बर्बर मारपीट ने पूरे मध्य प्रदेश के पत्रकार जगत को स्तब्ध कर दिया है। इस घटना के खिलाफ वॉइस ऑफ मीडिया संगठन ने नर्मदापुरम में एकजुट होकर डीजीपी भोपाल को ज्ञापन सौंपा और दोषी पुलिसकर्मियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की।तीन दिन पहले आष्टा में प्रमोद शर्मा अपनी टीम के साथ खबर कवर कर रहे थे, तभी बिना किसी वजह के पुलिस ने उन्हें जबरन वाहन में बिठा लिया, कैमरा छीन लिया और बेरहमी से पीटा।

इस हमले में शर्मा को हाथ-पैर में गंभीर चोटें आईं। पत्रकारों का आरोप है कि पुलिस ने लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को कुचलने की कोशिश की।प्रदेशभर में पत्रकार आक्रोशित हैं। विभिन्न जिलों से ज्ञापन भेजे जा रहे

हैं, जिसमें आष्टा थाना प्रभारी समेत सभी दोषियों पर एफ आई आर, विभागीय जांच और कठोर सजा की मांग है। नर्मदापुरम में वॉइस ऑफ मीडिया ने थाना प्रभारी कंचन ठाकुर को ज्ञापन देते हुए चेतावनी दी कि शीघ्र कार्रवाई न हुई तो आंदोलन छेड़ा जाएगा।ज्ञापन सौंपने वालों में पीताम्बर जोशी, अतुल तिवारी, राहुल वशिष्ठ, आशुतोष सराठे, दुर्गेश राजपूत, दुर्गेश परमाल, ब्रजेन्द्र जाट, ललित मालवीय, रुद्र प्रताप सिंह चौहान, सुरेंद्र सिंह अरोरा, देवेंद्र वेस और राज घ्यारे शामिल थे।

मेट्रो एंकर नए साल में दो शक्तिपीठों को जोड़ने वाली 42 किमी लंबी सड़क बनेगी

'शक्तिपीठों' के बीच की दूरी होगी कम, जनता को मिलेगी बड़ी राहत

राजगढ़। दोपहर मेट्रो

नए साल में राजगढ़ जिले की जनता को बड़ी राहत मिलने वाली है। खुजनेर से बड़ागांव तक 132 करोड़ की लागत से बनने वाली टू लेन सड़क से जिले की प्रसिद्ध शक्तिपीठ भैंसवा माता मंदिर शक्तिपीठ से पीतांबरा शक्तिपीठ मां बगलामुखी मंदिर का सीधा सड़क मार्ग जुड़ेगा। जिसकी टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसमें राजगढ़ जिले के खुजनेर से 42 किलोमीटर की टू लाइन सड़क इसके नलखेड़ा तक बनने जा रही है।

ये सड़क बनने के बाद मां बिजासन भैंसवा माता मंदिर से श्रद्धालुओं को मां बगलामुखी मंदिर नलखेड़ा आने जाने और आगर जिले के नलखेड़ा के क्षेत्र वासियों को भैसवा माता खुजनेर राजगढ़ जाने के लिए रास्ता सुगम हो जाएगा। वर्तमान में राजगढ़ से सारंगपुर और फिर नलखेडा 83 किमी और जीरापुर होते हुए नलखेडा 76 किमी सफर होता है। सड़क बनने के बाद 30 किलोमीटर का फेर बचेगा और 42 किमी के सफर में ही नलखेड़ा से भैंसवा माता पहुंचा जा सकेगा।

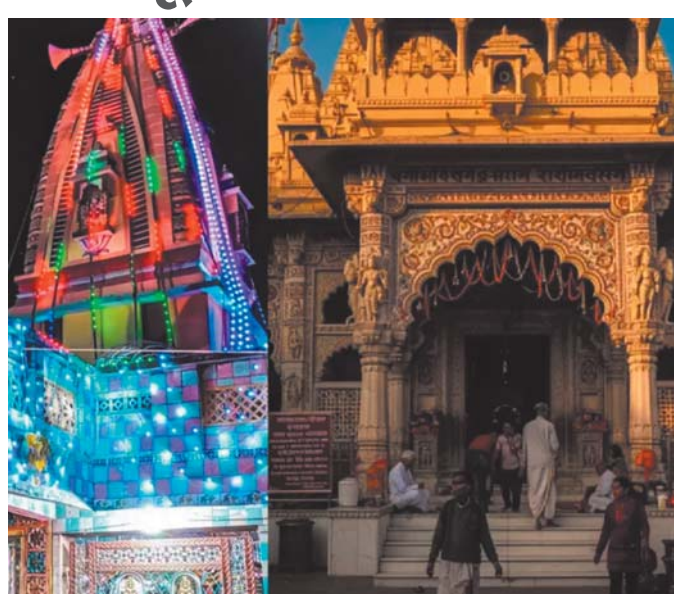

इन क्षेत्रों से होकर निकलगी सड़क

यह टू लेन सड़क खुजनेर से पांदा, भैंसवा माता, खजूरिया घाटा, गगरिया, टिकोन होते हुए बड़ागांव नलखेड़ा तक निकलेगी। बड़ागांव से 8 किलोमीटर पहले कालीसिंध नदी पर पुल व सडक कुल 132 करोड़ जिसमे (95 करोड़ सिविल वर्क, 18 करोड़ कालीसींध पुल, 4 करोड़ इलेक्टट्रक) लागत से ब्रिज का निर्माण भी होगा। सड़क बनाने व्यापार के साथ ही आवागवन सुलभ हो जाएगा।

भैंसवा माता से नलखेड़ा जाना होगा सुगम

नवरात्रि महापर्व में श्रद्धालु मां बगलामुखी मंदिर नलखेड़ा से मां बिजासन भैंसवा माता मंदिर तक कम दूरी व कम समय में दोनों शक्तिपीठों के दर्शन सुलभता से कर सकेंगे साथ ही आगर जिले से राजगढ़ जिले की दूरी कम होने से आम नागरिकों को सुलभआवागमन की सुविधा मिल सकेगी। साथ ही ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिलेगी व्यापार व्यवसाय भी बढ़ेगा।

न्यूज विंडो

निर्माण कार्य में लापरवाही पर उपयंत्री को नोटिस जारी करने के निर्देश

सागर. महापौर संगीता सुशील तिवारी ने बडा बाजार स्थित श्रीराम चौक पर उपयंत्री बबलेश साहू द्वारा यूरेनल (पेशाबघर)निर्माण कार्य की कार्यवाही किये जाने को गंभीरता से लेते हुये निगमायुक्त राजकुमार खत्री को तत्काल नोटिस जारी करने तथा संतोषजनक उत्तर प्राप्त न होने की स्थिति में संबंधित उपयंत्री के विरूध्द सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिये हैं। उल्लेखनीय है कि महापौर संगीता सुशील तिवारी एवं निगमायुक्त राजकुमार खत्री के संज्ञान के बिना बड़ाबाजार स्थित श्रीराम चौक पर नगर निगम द्वारा यूरेनल (पेशाबघर)का निर्माण कराने की कार्यवाही की जा रही थी, जिसको लेकर नगर के विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा विरोध दर्ज कराया गया था। इस संबंध में महापौर तिवारी द्वारा यूरेनल निर्माण कार्य की मूल नस्ती का अवलोकन किया गया जिसमें उपयंत्री बबलेश साहू द्वारा यूरेनल (पेशाबघर)निर्माण के लिए नियमानुसार कार्यवाही न करते हुये स्थल का सही चयन न करते हुये निर्माण कार्य कराना पाया गया। महापौर द्वारा मूल नस्ती के अवलोकन के उपरांत निगमायुक्त को उपयंत्री साहू के विरूध्द सख्त कार्यवाही करने एवं भविष्य में धार्मिक स्थलों के आसपास शौचालय आदि निर्माण कार्य नागरिकों से सुझाव एवं सहमति लेने के बाद ही प्रारंभ करने के निर्देश दिए।

कड़ाके की ठंड से बचाव के लिए स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों को बांटे कंबल

औबेदुल्लागंज। शासकीय स्वास्थ्य केंद्र में कड़ाके की ठंड को देखते हुए प्रशासन द्वारा जीव ताशा फाउंडेशन के सहयोग से मरीजों के लिए कंबल वितरण किया गया। इस दौरान अस्पताल में भर्ती मरीजों को ठंड से बचाव के लिए कंबल प्रदान किए गए। कंबल वितरण कार्यक्रम में नायब तहसीलदार निलेश सरवटे, ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉ. धर्मेंद्र गौर, जीव ताशा फाउंडेशन के प्रतिनिधि कार्तिक जैन एवं थाना प्रभारी औबेदुल्लागंज भारत प्रताप सिंह मौजूद रहे। अधिकारियों ने वार्डों का निरीक्षण कर मरीजों की स्थिति जानी और उन्हें आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। प्रशासन एवं सामाजिक संस्था की इस पहल से अस्पताल में भर्ती मरीजों और उनके परिजनों ने राहत की सांस ली। अधिकारियों ने कहा कि ठंड के मौसम में जरूरतमंदों को हर संभव सहायता दी जाएगी।

रैन बसेरा बना लापरवाही का अड्डा सीसीटीवी बंद और दरवाजे टूटे पड़े

टीकमगढ़। सरकारी फ ाइलों में सुविधायुक्त बताया जाने वाला नया बस स्टैंड स्थित निशुल्क रैन बसेरा जमीनी हकीकत में अव्यवस्थाओं का नमूना बन चुका है। राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के तहत वर्ष 2015-16 से संचालित इस आश्रय स्थल में न तो सुरक्षा है न स्वच्छता और न ही बुनियादी सुविधाओं की निगरानी। मीडिया ने रैन बसेरा और यात्री प्रतीक्षालय की लाइव पड़ताल की। जहां हर कदम पर सिस्टम की पोल खुलती चली गई। खुले पलंग, पुरानी बैडशीट, नाम मात्र की निगरानी दिखाई दी। इनकी सुरक्षा के लिए दो कर्मचारी मौजूद मिले। अंदर देखा तो 25 पुरुष पलंग पूरी तरह खाली थे, जबकि ठंड के इस मौसम में जरूरतमंदों की संख्या अधिक होनी चाहिए थी। पलंगों पर पड़ीबैडशीटें इतनी पुरानी कि बदली न जाने की कहानी खुद बयां कर रही थी। वहां की एलईडी टीवी चालू जरूर थी, लेकिन व्यवस्थाएं सही नहीं थी। टीम ने शौचालयों की ओर बढ़ी तो हालात और चिंताजनक मिले। 8 शौचालयों में से 4 पूरी तरह बेकार पड़े थे। दरवाजे टूटे पड़े थे।

मोहन नगर वार्ड में आयोजित हुआ 'आपकी महापौर आपके द्वार' एवं जनचौपाल का 8 वां शिविर

योजनाओं का लाभ दिलाना और समस्याओं का निराकरण कराना मेरी प्राथमिकता

सागर। दोपहर मेट्रो

नगर निगम क्षेत्र के नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण एवं शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुँचाने के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा ÷आपकी महापौर आपके द्वार एवं जनचौपाल का 8 वां शिविर मोहन नगर वार्ड में आयोजित किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में वार्डवासी उपस्थित हुए एवं उन्होंने अपनी समस्याएँ संबंधित अधिकारियों के समक्ष रखीं। शिविर में संपत्तिकर, जलकर, स्ट्रीट लाइट, साफ-सफाई, कचरा प्रबंधन शुल्क, आवास योजना सहित शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित मामलों का मौके पर ही निराकरण किया गया तथा कई पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाने की प्रक्रिया पूर्ण की गई।

इस अवसर पर महापौर संगीता सुशील तिवारी ने कहा कि नगर निगम द्वारा नागरिकों की बुनियादी समस्याओं के समाधान के लिए सभी वार्डों में नियमित रूप से ÷आपकी महापौर आपके द्वार÷ एवं जनचौपाल शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि शिविरों के माध्यम से गरीब एवं मध्यमवर्गीय परिवारों को अपने वार्ड में ही एक स्थान पर स्ट्रीट लाइट, साफ-सफाई, आवास योजना, संपत्तिकर, जलकर, कचरा प्रबंधन शुल्क,शासन की सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने आदि से संबंधित समस्याओं का समाधान मिल रहा है, जिससे उन्हें बार-बार नगर निगम के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। महापौर ने कहा कि शिविर के दौरान जो भी आवेदन प्रस्तुत किए जा रहे हैं उनकी समीक्षा उपरांत समय सीमा में निराकरण के लिए कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. सुशील तिवारी ने कहा कि भाजपा सरकार की सोच है कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग के पात्र व्यक्तियों तक पहुंचे तथा नागरिकों को अपनी समस्याओं के लिए बेवजह परेशान न होना पड़े,इसी उद्देश्य से महापौर द्वारा प्रत्येक वार्ड में जनचौपाल एवं शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। एमआईसी सदस्य शैलेन्द्र ठाकुर ने कहा कि आपकी महापौर आपके द्वार एवं जनचौपाल शिविर का आयोजन जनसेवा के लिए महापौर की संवेदनशीलता है। पहली बार नगर सरकार द्वारा सभी वार्डों में नागरिकों की समस्याओं का मौके पर समाधान किया जा रहा है. इस अवसर पर एमआईसी सदस्य राजकुमार पटेल, शैलेष जैन, संकल्प फाउंडेशन के अध्यक्ष रिशांक तिवारी,रामस्वरूप मासाब,रज्जू ताम्रकार, महेश सेन, गणेश साहू, राजू कक्का, मनोज सेन, अरुण साहू, रमेश सोनी, नरेंद्र साहू, रूपाली साहू,सुलेखा साहू राधा सेन पार्वती नामदेव उपायुक्त एसएस बघेल, सहायक यंत्री संजय तिवारी, राजस्व अधिकारी बृजेश तिवारी, नीता श्रीवास्तव, उपयंत्री आसिमा तिर्की, मुन्नालाल रैकवार, जया श्रीवास्तव, राजेश नापित, दिनेश कन्नोजिया,यशवंत कोष्टी, कल्पना श्रीवास्तव सहित निगम के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

कर्मचारियों ने मांग न माने जाने तक आंदोलन जारी रखने की दी चेतावनी

ननि कर्मियों ने वेतन न मिलने पर भीख मांगकर किया विरोध प्रदर्शन

सागर। दोपहर मेट्रो

नगर निगम कर्मचारियों का 3 माह का वेतन न मिलने सहित अन्य लंबित मांगों को लेकर नगर निगम कर्मचारी संघ द्वारा गांधीवादी तरीके से आंदोलन किया जा रहा है। आंदोलन के तहत कर्मचारियों ने तीनबत्ती स्थित गौर मूर्ति से नागरिकों एवं दुकानदारों से भीख मांग कर प्रदर्शन किया और नगरीय विकास एवं आवास विभाग तथा नगर निगम प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई।

इस अवसर पर कर्मचारी संघ के प्रांतीय सचिव राजेश सिंह राजपूत,शईद उद्दीन कुरैशी, आनंद मंगल गुरु एवं कर्मचारी कल्याण मोर्चा के अध्यक्ष हरेंद्र खटीक ने संयुक्त रूप से कहा कि मध्यप्रदेश शासन के मुख्यमंत्री, नगरीय प्रशासन मंत्री एवं कलेक्टर के निर्देश हैं कि प्रत्येक माह की एक तारीख को वेतन दिया जाए इसके बाद नगर निगम द्वारा समय पर वेतन नहीं दिया जा रहा है इसके बावजूद समस्त कर्मचारी पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से कार्य कर रहे हैं, और उन्हें तीन माह से वेतन नहीं मिला है. जो कर्मचारी सेवानिवृत्त हो चुके हैं उनकी राशि का भुगतान नहीं किया जा रहा है जिससे वे कार्यालय के चक्कर लगाकर परेशान हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि नगर निगम में विगत 23 वर्षों में पहली बार इस प्रकार की गंभीर परिस्थिति उत्पन्न हुई है कि कर्मचारियों को वेतन न मिलने के कारण गांधीवादी तरीके से आंदोलन करने के लिए बाध्य होना पड़ा है। आंदोलन के तहत सभी कर्मचारीप्रतिदिन शाम 5 बजे तक अपने कर्तव्य पर उपस्थित रहकर अपना कार्य करेंगे और उसके बाद एकत्रित होकर विभिन्न स्थानों पर शांतिपूर्ण एवं रचनात्मक गतिविधियों में शामिल होंगे इसी के तहत बुधवार को कर्मचारियों द्वारा नागरिकों से भीख मांगकर विरोध प्रदर्शन किया गया। इसके बाद रामधुन, शंख-झालर के साथ सड़कों पर पद यात्रा करना तथा जनप्रतिनिधियों को फूल भेंटकर अपनी पीड़ा से अवगत कराया जाएगा। कर्मचारी संघ ने चेतावनी दी है कि जब तक मांग पूर्ण नहीं होतीं, आंदोलन जारी रहेगा। कर्मचारी नेताओं ने बताया कि गुरुवार को सभी कर्मचारी वेतन न देने के लिए उत्तरदाई अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों का पुष्पहार पहनाकर स्वागत करेंगे। इस अवसर पर सूरज मछन्दर, वर्षा समद, प्रहलाद रैकवार, देवकुमार चौबे, विकास गुरू, रिजवान खान, रज्जन करोसिया, चंद्रविजय गौर, अभिषेक तिवारी,मनोज चौबे, मनोज तिवारी, शशांक रावत, मुन्नालाल रैकवार, यशवंत कोष्टी, सविता दुबे,, राकेश रैकवार सहित बड़ी संख्या में नगर निगम की सभी शाखाओं के कर्मचारी उपस्थित थे।

नियमित सैंपल जांच के निर्देश

इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित जल आपूर्ति को देखते हुए कलेक्टर ने लिया संज्ञान

सागर. । दोपहर मेट्रो

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी संदीप जी आर ने स्वच्छ पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने आयुक्त नगर निगम, परियोजना प्रबंधक एमपीयूडीसी तथा जिले के सभी मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि यह तथ्य संज्ञान में आया है कि भागीरथपुरा, इंदौर क्षेत्र में दूषित जल आपूर्ति के कारण नागरिकों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है, जिससे जनहानि की स्थिति उत्पन्न हुई। ऐसी स्थिति जिले में निर्मित न हो, इस के लिए कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। कलेक्टर के निर्देशों के अनुसार अपने-अपने क्षेत्रांतर्गत जल आपूर्ति पाइपलाइनों का तत्काल निरीक्षण कर क्षतिग्रस्त पाइपलाइनों की तुरंत मरम्मत सुनिश्चित की जाए। यह भी सुनिश्चित किया जाए कि कहीं भी पाइपलाइन में दूषित जल का मिश्रण न हो। यदि किसी स्थान पर दूषित जल पाया जाता है, तो संबंधित पाइपलाइन को तत्काल बंद कर सुधार होने तक सुरक्षित वैकल्पिक पेयजल व्यवस्था जैसे टैंकर अथवा अस्थायी कनेक्शन की व्यवस्था की जाए।

साथ ही, सप्लाई किए जा रहे पेयजल के नियमित सैम्पल लेकर उनकी जांच कराई जाए। दूषित पेयजल आपूर्ति से संबंधित कोई भी शिकायत प्राप्त होने पर उसे गंभीरता से लेते हुए तत्काल जांच कर आवश्यक सुधार सुनिश्चित किया जाए। इसके अतिरिक्त पाइपलाइनों की नियमित जांच कर प्रत्येक माह के प्रथम सप्ताह में अपने क्षेत्रांतर्गत कोई भी पाइपलाइन क्षतिग्रस्त न होने एवं दूषित जल आपूर्ति न होने का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किया जाए।

कागजों में गरीब, ज़मीन पर कॉर्पोरेट सिस्टम की मिलीभगत से बड़ा घोटाला

अनूपपुर। दोपहर मेट्रो

नगर में प्रस्तावित ताप विद्युत परियोजना अब विकास की नहीं, बल्कि धोखे और दलाली की मिसाल बन चुकी है। वर्ष 2011-12 में मध्य प्रदेश शासन के पुनर्वास विभाग और न्यू जोन प्राइवेट लिमिटेड के बीच हुआ एग्रीमेंट आज एक ऐसा दस्तावेज़ साबित हो रहा है, जिसे जानबूझकर रौंद दिया गया। उस समय विभाग में के.सी. जैन उप सचिव पदस्थ थे, लेकिन 15 साल बीत जाने के बाद भी समझौते की एक भी शर्त जमीन पर नहीं उतरी। सरकारी आदेश में साफ लिखा था–मुआवजा, विशेष पुनर्वास अनुदान, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास। मगर हकीकत में विस्थापितों को मिला सिर्फ भ्रम और इंतज़ार। जमीन गई, जंगल छिने, और बदले में मिला शून्य। जिस जमीन के लिए न्यू जोन ने पुनर्वास का वादा किया, वही जमीन चुपचाप टोरंटो पावर लिमिटेड को बेच दी गई। न कोई सार्वजनिक सूचना, न पुनर्वास की पूर्ति, न ग्रामीणों की सहमति। अब सवाल यह नहीं कि पुनर्वास क्यों नहीं हुआ–सवाल यह है कि बिना पुनर्वास जमीन बेची कैसे गई? ग्रामीणों का आरोप है कि पूरे 15 साल तक उन्हें जानबूझकर गुमराह किया गया। उन्हें बताया जाता रहा कि परियोजना न्यू जोन की है, जबकि हकीकत यह है कि साइट, कर्मचारी, संचालन और कार्यक्रम पूरी तरह टोरंटो पावर के नियंत्रण में हैं। दस्तावेज़ों और आयोजनों में न्यू जोन का नाम तक नहीं मिलता, फिर भी गांव में उसी का नाम घुमाया जा रहा है। इस पूरे मामले में प्रशासन की भूमिका भी कटघरे में है। क्या पुनर्वास विभाग को जमीन बिक्री की जानकारी नहीं थी? क्या बिना शर्तें पूरी किए हस्तांतरण वैध है और अगर यह सब नियमों के खिलाफ है, तो 15 साल तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई। जानकारों का मानना है कि यह सिर्फ लापरवाही नहीं, बल्कि सिस्टम की मौन सहमति का मामला है। यह इलाका आदिवासी और गरीब किसानों का है, जिनके लिए जमीन सिर्फ संपत्ति नहीं, जीवन थी। परियोजना के नाम पर जमीन छिनी, लेकिन रोजगार नहीं मिला, पुनर्वास नहीं हुआ।

चंद कदम की दूरी पर आपस में भिड़ गए बाघ, वीडियो वायरल

सीधी । दोपहर मेट्रो

जिले में स्थित संजय टाइगर रिजर्व में दो बाघों के बीच आपस में संघर्ष का वीडियो सामने आया है। देखते ही देखते ये वीडियो सोशल मीडिया पर भी तेजी से वायरल हो गया है। वायरल हुए वीडियो में दो बाघ आपस में लड़ाई करते नजर आ रहे हैं। इस लड़ाई का वीडियो मौके पर मौजूद किसी पर्यटक ने बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया है। दरअसल पर्यटकों द्वारा बनाया गया बाघों की आपसी लड़ाई का वीडियो सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा है। बाघों की पहचान टी-56 के रूप में हुई है। वीडियो दुबरी परिक्षेत्र में आए नए नर बाघ के बीच लड़ाई का बताया जा रहा है।

नववर्ष पर धार्मिक स्थलों पर उमड़ी भीड़

तेंदूखेड़ा । दोपहर मेट्रो

नववर्ष 2026 का आगाज हो गया है बुधवार की रात घड़ी में जैसे ही 12 बजे तो पूरा जिला हैप्पी न्यू ईयर के शोरगुल से गूंज उठा। आतिशबाजी का दौर शुरू हुआ जो देर रात तक जारी रहा। डीजे पर बज रहे गीतों पर नृत्य करते हुए युवा जमकर थिरके। किसी ने केट काटा तो किसी ने मिठाई बांटकर नव वर्ष का स्वागत किया। होटल, रेस्टोरेंटों व निजी आवासों पर नव वर्ष की पार्टियां देर रात तक चलती रही। वहीं उत्साहित युवा सड़क पर भी निकले और जश्न मनाया। कड़ाके की ठंड का असर नववर्ष के स्वागत के सामने फीका नजर आया। रविवार शाम से ही नव वर्ष के जश्न की शुरूआत हो चुकी थी। रात 9 बजे के बाद से जश्न तेज होता गया। फिर रात 12 बजे तो लोग खुशी से चहक उठे और एक-दूसरे को न्यू ईयर 2026 की बधाईयां दी। सभी ने वर्ष 2025को खट्टी-मीठी यादों के साथ अलविदा किया। उधर नववर्ष के स्वागत के लिए रविवार को पूरे दिन तैयारियां चलती रही। युवाओं ने ग्रुप में न्यू ईयर की प्लानिंग की रणनीति को पूर्ण किया। दमोह सिटी से लेकर कस्बों में संचालित रेस्टोरेंट, होटल में तैयारियां की गई थी। इसमें युवाओं के अलावा फैमिली के लिए अलग से व्यवस्थाएं की गई थी

प्राकृतिक व धार्मिक स्थलों पर फर्स्ट डे सेलिब्रेशन

आज न्यू ईयर 2026 के फस्ट डे का सेलिब्रेशन प्राकृतिक एवं धार्मिक स्थलों पर पहुंचकर किया जाएगा। इसके लिए लोगों ने तैयारियां पूरी कर ली है। जिले के धार्मिक स्थल देवश्री जागेश्वरनाथ की नगरी बांदकपुर धाम, जैन तीर्थ क्षेत्र कुंडलपुर, नोहटा का नोहलेश्वर मंदिर कोडल का शिव मंदिर सहित तेंदूखेड़ा के प्राकृतिक एवं धार्मिक स्थलों पर लोगों की मौजूदगी से गुलजार रहेंगे। उधर कुछ अपनी फैमिली के साथ जिले, से बाहर भी पर्व का सेलिब्रेट करने के लिए पहुंचे है

पर्व हो या फिर अन्य खुशियों का दिन। अपनों के प्रति प्यार, अपनापन जताने के लिए गिफ्ट्स देने क्रेज बढ़ रहा है। इसी को लेकर न्यू ईयर की शुभकामनाओं के साथ यूथ ने अपनों को गिफ्ट्स दिए और नववर्ष को सेलिब्रेट किया। गिफ्ट्स में अपनों की पसंद का भी ध्यान रखा गया है

मेट्रो एंकर

जिम्मेदार कुछ नया और बेहतर करने के लिए उत्साहित

पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाने रहेगा लक्ष्य

तेंदूखेड़ा! दोपहर मेट्रो

आज से साल 2026 की शुरुआत हो जाएगी। लोग खुशी और उत्साह के साथ नए साल का स्वागत करेंगे। नए साल को लोग गुड लक मानते हैं। लोगों को ऐसा विश्वास होता है कि नया साल उनके जीवन में बदलाव लाएगा। नया साल खुशियां, उन्नति लेकर आएगा। लेकिन कैलेंडर बदलने या तारीख बदलने से जीवन में खुशियां और कामयाबी नहीं मिलती। अपने लक्ष्य को पाने के लिए आपको दृढ संकल्प करना पड़ता है। हर कदम पर उस संकल्प को पूरा करने के लिए प्रोत्साहित

होते रहना पड़ता है। इसलिए लोग नए साल पर कुछ संकल्प लेते हैं। बड़े हों या बच्चे, कामकाजी लोग हों या घरेलू लोग, सभी को नए साल के लक्ष्य लेने चाहिए। यही कारण है कि हमने 2026 को लेकर तेंदूखेड़ा के जिम्मेदारों प्रशासनिक अधिकारियों से तेन्दूखेड़ा के विकास के सबंध में लिए गए उनके लक्ष्य को भी जाना। जिस पर उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, योजनाओं को धरातल तक पहुंचाकर ब्लॉक के अंतिम छोर तक ग्रामीणों को लाभ पहुंचाने की बात कही। इसके अलावा कुछ नए प्रोजेक्ट व योजनाएं भी बताई जिससे 2026 में हर वर्ग के लोगों का विकास व जागरूक उन्हें सशक्त बनाएंगे

विकास कार्यों पर है फोकस

नगर के विकास के लिए हम पूरी तरह तैयार है नगर में कई महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है नगर के लोगों को पक्की सड़क, शुद्ध पानी साफ सफाई व्यवस्था और अन्य विकास कार्यों पर फोकस है लोगों की समस्यायों को दूर करना और एक अच्छा जनप्रतिनिधि बनाकर अपने नगर को एक विकसित नगर बनाना ही मेरा संकल्प है जो भी काम अधूरे रह गए हैं उन्हें भी पूरा करना है।

-**सुरेश जैन,** नगर परिषद अध्यक्ष तेंदूखेड़ा

जरुरतमंद व्यक्ति को मिले लाभ

योजनाओं का टारगेट तय कर आम जनता तक शासन की योजनाओ का लाभ पहुंचाना मेरी पहली प्राथमिकता होगी साथ ही है साथ ही जरुरतमंद को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाना जिसके लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा लंबित आवेदन व शिकायतो का निराकरण कराया जायेगा किसी भी व्यक्ति को अपने कार्यों के लिए कार्यालय के चक्कर ना लगाना पड़े आवश्यक हितग्राही को सुविधाओं का लाभ मिले।

-**सौरभ गंधर्व,** एसडीएम तेन्दूखेड़ा

कार्यालय नगर पालिका परिषद, सिरोंज जिला विदिशा (म.प्र.)

क्रमांक / निविदा/25/ **ई-टेंडर आमंत्रण सूचना** सिरोंज दिनांक.....

नगरपालिका परिषद सिरोंज जिला विदिशा द्वारा निम्न कार्य हेतु आन लाईन निविदा का आमंत्रण किया गया है। जिसका विवरण निम्नानुसार है-

टेंडर कमांक	कार्य का विवरण	कार्य की अनुमानित लागत	अमानत राशि रू.	ऑनलाईन निविदा का प्रपत्र मूल्य	समय अवधि
1	2	3	4	5	6
2025_UAD_470053_1	श्री कृष्ण गौशाला परिसर उद्यान की बाउंड्रीवॉल निर्माण कार्य	20,27,984	15,200	5000	03 माह

शर्त- टेंडर डाक्यूमेंट के आधार पर निर्धारित सभी कर एवं शासन द्वारा निर्धारित जी.एस.टी. कटौत्रा किया जावेगा।

निविदा प्रपत्र क्रय, डाउनलोड करने एवं निविदा से सम्बंधित समस्त शर्ते एवं जानकारी https://mptenders.gov.in एवं नगरपालिका परिषद सिरोंज जिला विदिशा के लोक निर्माण विभाग शाखा से प्राप्त कर सकते हैं।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद सिरोंज

गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के पूर्व स्टार बल्लेबाज डेमियन मार्टिन

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट जगत में चिंता की लहर, ठीक होने कामना शुरू

नई दिल्ली , एजेंसी

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के पूर्व स्टार बल्लेबाज डेमियन मार्टिन गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं और इस वक्त ब्रिस्बेन के एक अस्पताल में भर्ती हैं। ऑस्ट्रेलियाई मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 54 वर्षीय मार्टिन को मेनिन्जाइटिस हुआ है, जिसके बाद उनकी हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें इंड्यूस्ड कोमा (डॉक्टरों की निगरानी में कोमा में) में रखा है। उनकी स्थिति को नाजुक, लेकिन स्थिर बताया जा रहा है। मार्टिन के अचानक बीमार पड़ने की खबर सामने आते ही ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट जगत में चिंता की लहर दौड़ गई। पूर्व और मौजूदा क्रिकेटरों, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और फैंस ने सोशल मीडिया के जरिये उनके जल्द ठीक होने की कामना की है।

अस्पताल में चल रहा है इलाज- बताया जा रहा है कि डेमियन मार्टिन पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ महसूस कर रहे थे, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। जांच में मेनिन्जाइटिस की पुष्टि हुई और स्थिति गंभीर होने पर उन्हें इंड्यूस्ड कोमा में रखा गया। करीबी सूत्रों के मुताबिक, उन्हें सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधा दी जा रही है और विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम उनकी निगरानी कर रही है। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर और मार्टिन के करीबी

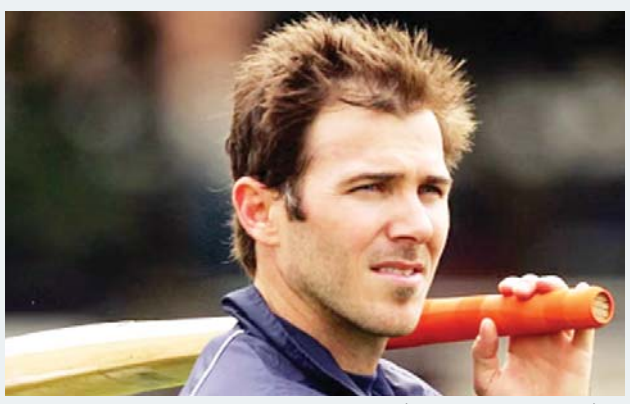

दोस्त एडम गिलक्रिस्ट ने न्यूज कॉर्प से बातचीत में कहा, उन्हें सबसे बेहतर इलाज मिल रहा है। उनकी पार्टनर अमांडा और परिवार को यह भरोसा है कि क्रिकेट जगत से मिल रही दुआएं और शुभकामनाएं उन्हें ताकत देंगी।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और दिग्गजों की प्रतिक्रिया

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी टॉड ग्रीनबर्ग ने भी मार्टिन के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने कहा, डेमियन की बीमारी की खबर से मैं बेहद दुखी हूं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और पूरे क्रिकेट समुदाय की शुभकामनाएं इस वक्त उनके साथ हैं। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज और साथी खिलाड़ी डैरेन लेहमैन ने सोशल मीडिया पर भावुक संदेश लिखते हुए कहा, डेमियन मार्टिन के लिए ढेर सारा प्यार और दुआएं भेज रहे हैं। मजबूत रहो और संघर्ष करते रहो, महान खिलाड़ी। पूर्व तेज गेंदबाज रॉडनी हॉग ने भी इसे चौंकाने वाली खबर बताते हुए उनके जल्द ठीक होने की कामना की।

शानदार टेस्ट करियर की कहानी

डेमियन मार्टिन ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के सबसे सधे हुए और स्टाइलिश बल्लेबाजों में गिने जाते हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए 67 टेस्ट मैच खेले और 46.37 की शानदार औसत से रन बनाए। उनका स्ट्रोकप्ले सहज और आकर्षक था, जो उन्हें अलग पहचान देता था। मार्टिन का जन्म डार्विन में हुआ था और उन्होंने महज 21 साल की उम्र में टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू किया। उन्होंने 1992-93 में वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज में दिवंगत डीन जोंस की जगह टीम में एंट्री की। 23 साल की उम्र में वह वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के कप्तान भी बने।

इंतजार का नहीं, लगातार धड़कनों का साल होगा 2026

ट्रिपल क्रिकेट वर्ल्ड कप अलर्ट! सजेगा फुटबाल का महाकुंभ,होंगे एशियाड और कॉमनवेल्थ भी...

नई दिल्ली , एजेंसी

नया साल सिर्फ कैलेंडर बदलने का नाम नहीं होता, यह उम्मीदों का रीसेट बटन होता है। 2026 भी कुछ ऐसा ही साल है- जहां क्रिकेट का ट्रिपल वर्ल्ड कप होगा, फुटबॉल का महाकुंभ सजेगा और एशिया से कॉमनवेल्थ तक खेलों की सबसे बड़ी भिड़ंत देखने को मिलेगी। फैन्स के लिए यह साल इंतजार का नहीं, लगातार धड़कनों का होगा। साल की शुरुआत ही क्रिकेट के भविष्य से होगी। 50-50 ओवरों के इस वर्ल्ड कप में वैभव सूर्यवंशी, आयुष म्हात्रे जैसे उभरते हुए युवा सितारों पर करीब से नजर रखी जाएगी। यही वह मंच है, जहां आज के अनजान चेहरे कल के विराट, बुमराह या केन विलियमसन बनते हैं। भारत समेत कई देशों की निगाहें यहां से अगले दशक के सितारे तलाशने पर होंगी।

फरवरी आते-आते क्रिकेट का सबसे तेज और सबसे बेरहम फॉर्मेट सुर्खियों में होगा।घरेलू परिस्थितियां, उम्मीदों का बोझ और करोड़ों फैन्स की निगाहें- यह टूर्नामेंट सिर्फ ट्रॉफी का नहीं, नर्व्स टेस्ट होगा। सूर्या ब्रिगेड टी20 विश्व कप में खिताब के बचाव के लिए उतरेगी। इसके बाद जून में बारी आएगी उस मंच की, जिसने महिला क्रिकेट की परिभाषा बदल दी है।

महिला टी20 वर्ल्ड कप (12 जून-5 जुलाई) - इंग्लैंड में। यहां मुकाबला सिर्फ खिताब का नहीं, पहचान और बराबरी की आवाज का भी होगा। भारत समेत कई टीमें इतिहास रचने के इरादे से उतरेंगी। हरमनप्रीत कौर की टीम 2025-वनडे वर्ल्ड कप जीतने के बाद यहां भी अपनी सफलता दोहराने के लिए उतरेगी।

- फीफा महासंग्राम-जब दुनिया कुछ देर के लिए थम जाती है

साल का सबसे बड़ा महाकुंभ होगा- फीफा वर्ल्ड कप (11 जून-19 जुलाई)। अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में संयुक्त रूप से फीफा विश्व कप फुटबॉल का आयोजन होगा। यह सिर्फ फुटबॉल टूर्नामेंट नहीं, बल्कि ऐसा महीना होता है जब टाइम जोन, ऑफिस टाइम और नींद। सब कुछ फुटबॉल के हिसाब से चलता है। नए हीरो जन्म लेंगे, पुराने टूटेंगे और इतिहास एक बार फिर लिखा जाएगा।

एशियाड और कॉमनवेल्थ

एशियन गेम्स (19 सितंबर-4 अक्टूबर)- जापान के आइची प्रिफेक्चर और नागोया में। एथलेटिक्स, शूटिंग, बैडमिंटन, हॉकी- भारत के लिए यह मेडल टैली और दबदबा दोनों बढ़ाने का मौका होगा। यहां हॉकी में गोल्ड मेडल जीतने वाली टीम को लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 का सीधा टिकट मिलेगा, जबकि निशानेबाजी में भी ओलंपिक कोटा स्थान दांव पर होंगे।

- क्यों खास है 2026?

क्योंकि यह साल सिर्फ ट्रॉफियों का नहीं
नई पीढ़ी के उभार का साल है,
महिला क्रिकेट की मजबूत आवाज का साल है,
और फैन्स के जुनून की सबसे लंबी परीक्षा भी।
2026 में खेल कैलेंडर नहीं, भावनाओं की कतार है। हर महीना, हर टूर्नामेंट- एक नई कहानी लिखने को तैयार।
नया साल मुबारक- तैयार रहिए- क्योंकि 2026 खेलने वाला है, पूरे दम से।

अन्य खेल और टूर्नामेंट पर भी नजर डाल लीजिए

जाहिर है भारतीय खेलप्रेमियों के लिए आने वाले महीने बेहद व्यस्त और रोमांचक रहने वाले हैं। फुटबॉल से लेकर शतरंज, मुक्केबाजी, बैडमिंटन और एथलेटिक्स तक- भारत की मौजूदगी लगभग हर बड़े अंतरराष्ट्रीय मंच पर दिखेगी।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन 12 जनवरी से एक फरवरी के बीच आयोजित होगा, लेकिन भारत की चुनौती असरदार नहीं है। बैडमिंटन की ऑल इंग्लैंड चैम्पियनशिप तीन मार्च से शुरू होगी, जिसमें पीवी सिंधु और बाकी भारतीय खिलाड़ी 2025 की नाकामी से उबरना चाहेंगे।

भारतीय फुटबॉलप्रेमियों के लिए सबसे अच्छी खबर यह है कि एक मार्च से ऑस्ट्रेलिया में शुरू हो रहे एएफसी महिला एशियाई कप में लंबे अंतराल के बाद भारतीय महिला टीम फिर से एक्शन में नजर आएगी।

मार्च के आखिर से अप्रैल तक साइप्रस में कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट खेला जाएगा, जहां से अगले विश्व चैम्पियनशिप चैलेंजर का फैसला होगा। फिलहाल डी। गुकेश विश्व चैम्पियन हैं, ऐसे में भारतीय शतरंज की नजरें इस टूर्नामेंट पर टिकी रहेंगी। इसी दौरान मंगोलिया में एशियाई मुक्केबाजी चैम्पियनशिप का आयोजन होगा।

28 मार्च से शुरू होने वाले कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट में ओपन वर्ग में आर। प्रज्ञानानंद, जबकि महिला वर्ग में आर। वैशाली, कोनेरू हम्पी और दिव्या देशमुख भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। शतरंज टूर्नामेंट 16 अप्रैल तक चलेगा, जबकि मुक्केबाजी चैम्पियनशिप 11 अप्रैल को समाप्त होगी।

अप्रैल की शुरुआत में ही भारत की मेजबानी में एशियाई भारोत्तोलन चैम्पियनशिप का आयोजन होगा, जो एक से दस अप्रैल तक अहमदाबाद में खेली जाएगी। इसके बाद 24 अप्रैल से तीन मई तक प्रतिष्ठित थॉमस और उबेर कप बैडमिंटन टूर्नामेंट होगा।

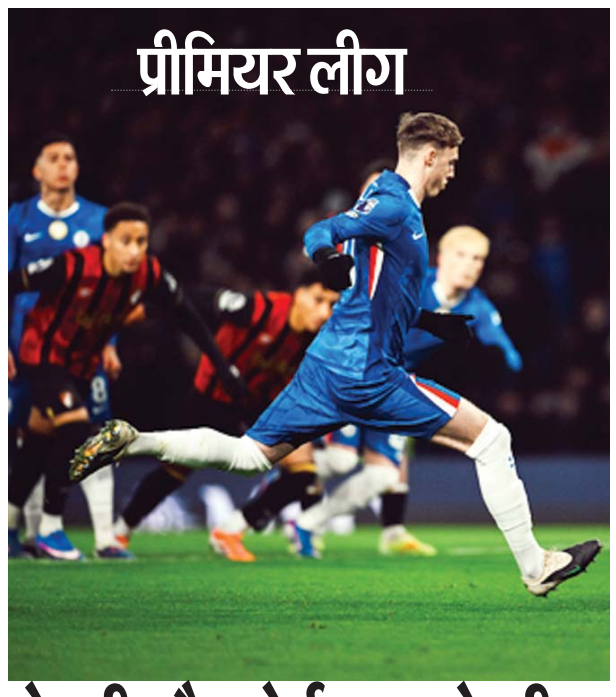

चेल्सी और बोर्नमाउथ के बीच मुकाबला दो-दो से ड्रॉ रहा

लंदन । स्टैमफोर्ड ब्रिज पर चेल्सी और एएफसी बोर्नमाउथ के बीच खेला गया रोमांचक मुकाबला ड्रॉ के रूप में समाप्त हुआ। मैच 2-2 से ड्रा रहा। मैच के सभी 4 गोल शुरुआती 27 मिनट के अंदर हुए। इसके बाद दोनों ही टीमें बढ़त बनाने के लिए कड़ा संघर्ष करती दिखीं, लेकिन सफलता किसी को नहीं मिली। मैच ड्रा होने की वजह से चेल्सी लिवरपूल को पछाड़कर चौथे स्थान पर पहुंचने का मौका चूक गई। बोर्नमाउथ 15वें स्थान पर है। उनका लीग में बिना जीत का सिलसिला 10 मैचों तक बढ़ गया है। चेरीज का यह पिछले पांच मैचों में चौथा ड्रॉ था।

मैच का पहला हाफ बहुत तेज और रोमांचक था। मेहमानों ने पहला गोल तब किया जब डेविड ब्रूक्स ने लंबे थ्रो-इन से दूसरे प्रयास में गोल किया, लेकिन चेल्सी ने जल्द ही बराबरी कर ली। एस्टेवाओ विलियन को एंटोनी सेमेन्यो ने बॉक्स में क्लिप किया और कोल पामर ने पेनल्टी स्पॉट से गोल किया। चेल्सी ने बढ़त तब बनाई जब एंजो फर्नांडीज ने टॉप कॉर्नर में शानदार फिनिश शॉट मारा, लेकिन जस्टिन क्लूइवर्ट के गोल से बोर्नमाउथ ने बराबरी की।

दूसरे हाफ में चेल्सी बढ़त वाले गोल के लिए सबसे ज्यादा जोर लगा रही थी, क्योंकि शुरुआती कोशिशों के बाद चेरीज की एनर्जी खत्म होती दिख रही थी, लेकिन इसके बावजूद कोई और गोल नहीं हुआ। एक और मैच में, जेम्स गार्नर ने एक गोल किया और दूसरे गोल में मदद की, जिससे कमजोर एवर्टन टीम ने नॉटिंघम फॉरेस्ट को 2-0 से हराया।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

बॉक्स ऑफिस पर धुरंधुर की आंधी, फिर भी करोड़ों के लॉस में फिल्म! बैन से नुकसान

ये कहना गलत नहीं होगा कि धुरंधर ने बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रच दिया है। फिल्म दुनियाभर में 1000 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर चुकी है और जल्द ही 1100 करोड़ क्लब में भी शामिल होने वाली है। भारत में जहां फिल्म लगातार नए रिकॉर्ड बना रही है, वहीं विदेशों में भी इसकी कमाई रुकने का नाम नहीं ले रही। हालांकि, अगर मध्य पूर्व (मिडिल ईस्ट) के कई देशों में फिल्म पर बैन न लगा होता, तो विदेशों से इसकी कमाई और भी ज्यादा हो सकती थी।

हाल ही में फिल्म के ओवरसीज डिस्ट्रीब्यूटर प्रणब कपाड़िया ने बताया कि इस बैन की वजह से रणवीर सिंह स्टारर फिल्म को विदेशों में भारी नुकसान हुआ है।

प्रणब कपाड़िया ने कहा- मुझे लगता है कि हमें कम से कम 1 करोड़ डॉलर (करीब 80 करोड़ रुपये) का नुकसान हुआ है, क्योंकि आमतौर पर एक्शन फिल्में मिडिल ईस्ट में बहुत अच्छा प्रदर्शन करती हैं। इसलिए हमें लगा था कि वहां फिल्म को रिलीज की अथॉरिटी मिलनी चाहिए थी। लेकिन हमें हर देश के नियम-कानून और उनके फैसलों का सम्मान करना होता है। ऐसा

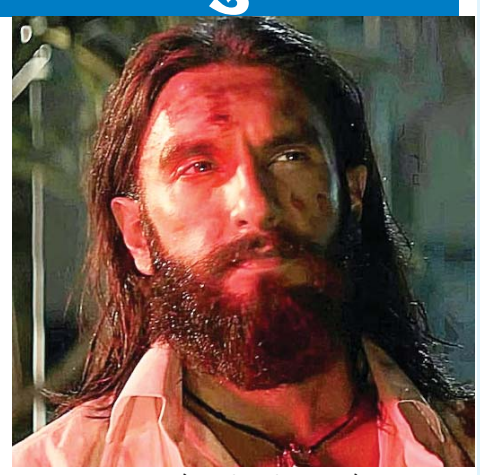

पहली बार नहीं हुआ है, इससे पहले फाइटर जैसी फिल्मों को भी वहां रिलीज की परमिशन नहीं मिली थी। फिल्म को रिलीज करवाने की पूरी कोशिश की, लेकिन आखिरकार फिल्म ने अपना दर्शक वर्ग कहीं और ढूंढ ही लिया, अगर गल्फ देशों में नहीं, तो बाकी जगहों पर।

अलग देशों में ट्रैवल कर देखी गई फिल्म

प्रणब ने ये भी बताया कि छुट्टियों के मौसम का फायदा फिल्म को मिला। उन्होंने कहा- मैं ऐसे कई लोगों को जानता हूं जो फिल्म देखने के लिए विदेशों में यात्रा करके गए। खासकर दिसंबर के महीने में छुट्टियां होती हैं। लोग गल्फ देशों से यूरोप या अमेरिका जाते हैं और वहां उन्होंने फिल्म देखी। फिल्म ऐसे समय रिलीज हुई जब दिसंबर का दूसरा हिस्सा छुट्टियों का होता है, इसलिए लोग विदेश घूमते हुए अपने समय में एक शाम फिल्म देखने के लिए निकाल ही लेते हैं। धुरंधर दो हिस्सों में बनी एक स्पाई एक्शन फिल्म है, जिसे आदित्य धर ने डायरेक्ट किया है। फिल्म का पहला भाग कराची के ल्यारी इलाके के अंडरवर्ल्ड की कहानी दिखाता है। इसमें रणवीर सिंह के साथ अक्षय खन्ना, अर्जुन रामपाल, संजय दत्त, आर माधवन, राकेश बेदी और सारा अर्जुन अहम भूमिकाओं में नजर आते हैं। फिल्म का दूसरा भाग ईद 2026 पर रिलीज होने वाला है।

ईशा और पत्रलेखा के लिए यादगार रहा साल 2025, एक का करियर बदला, दूसरे ने बेटी का किया स्वागत

जानी-मानी अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर और पत्रलेखा के लिए साल 2025 बेहद खास और यादगार रहा। यह साल उनके पेशेवर और निजी जीवन में नए अनुभव और खुशियां लेकर आया। ईशा कोप्पिकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए बताया कि कैसे इस साल सिनेमा के लिए उनका जुनून और मजबूत हुआ है। उनके लिए यह साल सीख और अनुभवों से भरा रहा।

ईशा कोप्पिकर ने कहा, इस साल मैंने ऐसे प्रोजेक्ट्स में काम किया, जिन्होंने मेरे अंदर कला और अभिनय के प्रति जुनून को और बढ़ाया। मुझे काफी कुछ सिखाया और लगातार मेहनत करने का मतलब बताया। मेरे जीवन में सबसे महत्वपूर्ण पल वह था, जो मैंने अपनी बेटियों के साथ बिताया। वीडियो में उन्होंने कहा, सिनेमा के प्रति मेरा प्यार और गहरा हुआ क्योंकि हर कहानी, हर सेट और हर फ्रेम ने मुझे लोगों के दिलों को छूने और दिमाग को प्रेरित करने का मौका दिया। नए जगहों और नए अनुभवों ने मुझे लगातार बदलने, सीखने और बेहतर बनने में मदद की। उन्होंने कहा, मैं जहां भी गई, मुझे अपने कल्चर, अपनी जड़ों और अपने उभरते भारत पर गर्व महसूस हुआ। मेरे दोस्तों और परिवार को उस प्यार और गर्मजोशी के लिए धन्यवाद, जिसने मुझे स्थिर रखा।

मेट्रो बाजार

सरकार की बड़ी घोषणा, आज से कुछ अंतरराष्ट्रीय पत्र डाक सेवाओं में होगा बदलाव

नई दिल्ली । डाक विभाग ने कुछ अंतरराष्ट्रीय पत्र डाक सेवाओं में बदलाव करने की घोषणा की है। इसके तहत खासकर उन सेवाओं में बदलाव किया गया है, जिनमें ट्रैकिंग की सुविधा नहीं है या बहुत कम है। इसके साथ ही ज्यादा बेहतर, भरोसेमंद और ग्राहक-केंद्रित सेवाओं को बढ़ावा दिया जाएगा। दुनिया भर में अपनाई जा रही अच्छी प्रक्रियाओं और यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन (यूपीयू) के फैसलों के अनुसार, डाक विभाग ने अंतरराष्ट्रीय पत्र डाक सेवाओं को आधुनिक और मजबूत बनाने के लिए यह कदम उठाया है। इसी के तहत 1 जनवरी, 2026 से विदेश भेजी जाने वाली कुछ अंतरराष्ट्रीय पत्र डाक सेवाओं को बंद किया जाएगा।इसमें रजिस्टर्ड स्मॉल पैकेट सेवा शामिल है। इसके तहत आउटवर्ड स्मॉल पैकेट सेवा आती है, जिसमें समुद्र, एसएएल या हवाई मार्ग से भेजे जाने वाले सामान वाले पत्र को शामिल किया जाता है। वहीं, सरफेस लेटर मेल सेवा तथा सरफेस एयर लिफ्टेड (एसएएल) लेटर मेल सेवा को भी बंद किया गया है, जो बाहर भेजे जाने वाले पत्रों के लिए थीं। संचार मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यह कदम इसलिए उठाया गया है क्योंकि स्मॉल पैकेट सेवाओं में ट्रैकिंग की सुविधा बहुत कम या बिल्कुल नहीं होती, डिलीवरी में ज्यादा समय लगता है, दूसरे देशों में कस्टम और सुरक्षा नियम सख्त हो गए हैं और कई विदेशी डाक विभाग ऐसे पैकेट स्वीकार नहीं कर रहे हैं।

एलन मस्क का बड़ा एलान, 2 गीगावाट तक बढ़ेगी एक्सएआई की कंप्यूटिंग क्षमता

नई दिल्ली । टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क की कंपनी एक्सएआई ने अमेरिका में अपने मेम्फिस साइट्स के पास तीसरी बिल्डिंग खरीदी है। इससे उनकी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कंप्यूटिंग क्षमता लगभग 2 गीगावॉट तक पहुंच जाएगी। कई रिपोर्ट्स के मुताबिक, एलन मस्क पहले ही मेम्फिस में कोलोसस नाम से एक डेटा सेंटर बना चुके हैं। इसके पास ही कोलोसस 2 नाम का दूसरा सेंटर बन रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, हाल ही में खरीदी गई बिल्डिंग मिसिसिपी के साउथहेवन में स्थित है और यह कोलोसस 2 सेंटर से सटी हुई है। मस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ÷एक्सएआई ने मैक्रोहार्ड नामक तीसरी बिल्डिंग खरीदी है। इससे एक्सएआई की ट्रेनिंग कंप्यूटिंग क्षमता लगभग 2 गीगावाट तक पहुंच जाएगी। एक गीगावाट बिजली लगभग 7,50,000 अमेरिकी घरों की खपत के बराबर होती है।

मस्क ने पहले दुनिया का सबसे बड़ा एआई डेटा सेंटर बनाने की योजना के बारे में बताया था। उन्होंने कहा कि कोलोसस 2 में अंततः एनवीडिया के 5,50,000 चिप्स होंगे, जिसकी लागत अरबों डॉलर होगी। इसके अलावा, एक्सएआई होल्डिंग्स लगभग 230 अरब डॉलर के मूल्यांकन पर नई फंडिंग जुटाने की कोशिश में है। मस्क के पास एक्सएआई होल्डिंग्स में 53 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जिसकी कीमत लगभग 60 अरब डॉलर है। मस्क ने अक्टूबर में विकिपीडिया पर तंज कसते हुए कहा कि एक्सएआई द्वारा विकसित ग्रोकिपीडिया लोकप्रिय ऑनलाइन एनसाइक्लोपीडिया विकिपीडिया से कई गुना ज्यादा व्यापक, गहरी और सटीक होगी।ग्रोकिपीडिया एक एआई-संचालित एनसाइक्लोपीडिया है, जिसका उद्देश्य विकिपीडिया की कथित पक्षपातपूर्ण जानकारी को चुनौती देना है।

दुनियाभर में न्यू ईयर का ग्रैंड वेलकम

दुबई के बुर्ज खलीफा पर दुनिया का सबसे बड़ा लाइट और लेजर शो आयोजित किया गया, वहीं न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर पर प्रतिष्ठित 'बॉल ड्रॉप' कार्यक्रम के लिए लाखों लोग जुटे।

लंदन में टेम्स नदी के पास आतिशबाजी से आसमान जगमगा उठा। लाखों लोग नए साल के जश्न में झूमते नजर आए।

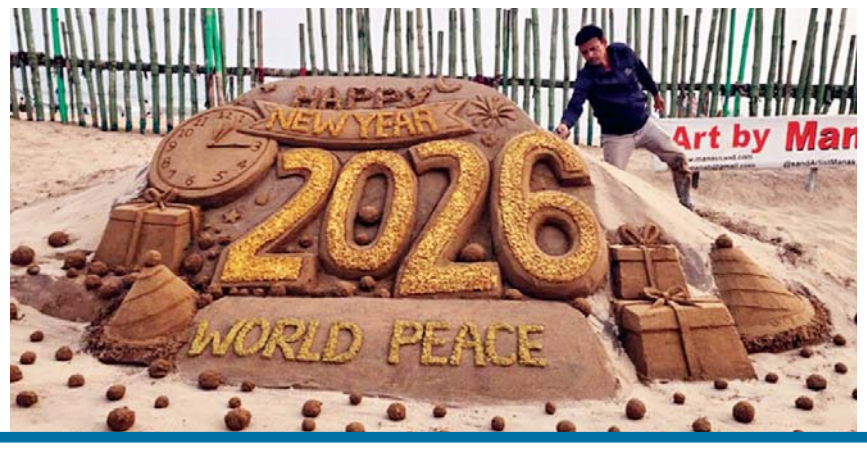

भारत व ब्रिटेन-फ्रांस में जमकर आतिशबाजी

नई दिल्ली। भारत समेत दुनियाभर में साल 2026 का आगाज हो चुका है। दिल्ली में इंडिया गेट पर लोगों ने काउंटडाउन के साथ नए साल का स्वागत किया, जबकि जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी के बीच जश्न मनाया गया। सबसे पहले न्यूजीलैंड ने 2026 में एंट्री की, जहां ऑकलैंड के स्काई टावर पर भव्य आतिशबाजी हुई। दुबई, जापान, चीन, सिंगापुर, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया समेत कई देशों में आतिशबाजी और पारंपरिक आयोजनों के साथ नया साल मनाया गया। अलग-अलग टाइम जोन के कारण भारत से पहले 29 देशों में 2026 का स्वागत हुआ। नीदरलैंड्स के एम्स्टर्डम में नए साल के जश्न के दौरान ऐतिहासिक वोंडेल चर्च में आग लग गई, जिससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग लगने के बाद इमरजेंसी अलर्ट जारी किया गया।

आस्था और उत्साह का सैलाब: देशभर के मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़

नए साल 2026 का पहला दिन पूरे देश में भक्ति और उत्साह से भरा है। लोग पार्टी और जश्न की जगह मंदिरों का रुख कर रहे हैं। सुबह से ही प्रमुख मंदिरों में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी हैं। दिल्ली से मुंबई और उज्जैन से वाराणसी तक, हर जगह मंदिरों में भक्तों का हुजूम उमड़ पड़ा। दिल्ली में झंडेवालान मंदिर और कालकाजी मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालु पहुंचने लगे। झंडेवालान मंदिर में मां दुर्गा के दर्शन के लिए लोग लाइन में खड़े होकर इंतजार करते दिखे हैं।मुंबई के प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर में नए साल के पहले दिन हजारों श्रद्धालु जुटे। गणपति बप्पा के दर्शन के लिए लोग रात से ही लाइन लगाने लगे थे। मंदिर ट्रस्ट ने विशेष इंतजाम किए हैं, ताकि भीड़ को संभाला जा सके।

न्यूज विंडो

एपस्टीन केस में 52 लाख से ज्यादा दस्तावेजों की समीक्षा

वॉशिंगटन। अमेरिका का अमेरिकी न्याय कुख्यात यौन अपराधी जेफरी एप्सटीन से जुड़े मामलों के 52 लाख (5.2 मिलियन) से ज्यादा दस्तावेजों की समीक्षा कर रहा है। यह समीक्षा कांग्रेस के उस कानून के तहत की जा रही है, जिसमें एपस्टीन से जुड़ी फाइलें सार्वजनिक करने का निर्देश दिया गया है। इस काम के लिए न्याय विभाग ने 400 से ज्यादा वकीलों को लगाया है। हालांकि, न्याय विभाग ने साफ किया है कि 20 या 21 जनवरी से पहले नए दस्तावेज जारी होने की संभावना कम है। इससे पहले तय की गई 19 दिसंबर की समयसीमा अब निकल चुकी है।

न्याय विभाग का कहना है कि दस्तावेजों में मौजूद पीड़ितों की पहचान और निजी जानकारी को सुरक्षित रखने के लिए जरूरी जानकारी छिपाने में समय लग रहा है। डिप्टी अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लैंच ने कहा कि यह एक ऑल हैंड्स ऑन डेक यानी पूरी ताकत से की जा रही समीक्षा है। इसमें न्याय विभाग, एफबीआई, फ्लोरिडा और न्यूयॉर्क के अभियोजन कार्यालय शामिल हैं।

होशियारपुर में अज्ञात वाहन की टक्कर से तीन लोगों की मौत

होशियारपुर। पंजाब के होशियारपुर में एक अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि गुरुवार सुबह गढ़शंकर इलाके में एक अज्ञात वाहन ने एक मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिससे तीन लोगों की मौत हो गई और एक गंभीर रूप से घायल हो गया।यह घटना बोरहा गांव में वाटर सप्लाई ऑफिस के पास हुई, जब चारों लोग श्री आनंदपुर साहिब से गढ़शंकर की ओर दोपहिया वाहन पर जा रहे थे। पुलिस ने बताया कि तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चौथा गंभीर रूप से घायल हो गया।वहीं, इससे पहले बुधवार को लुधियाना के जगराओं के अंतर्गत सिंधवा बेट रोड पर धुंध के कारण अनियंत्रित होकर सड़क किनारे झोपड़ी में सो रहे परिवार पर पलट गया। हादसे में दो बच्चों की मौत हो गई, जबकि तीन गंभीर रूप से घायल हो गए।

आपदा प्रभावितों के लिए जम्मू-कश्मीर को 944 करोड़ की मदद

जम्मू। केंद्र सरकार ने मानसून आपदा प्रभावित जम्मू-कश्मीर को बड़ी मदद दी है। केंद्र ने नए साल की पर 1,430 करोड़ के पैकेज को मंजूरी दी है। इसमें से 944 करोड़ रुपये की पहली किस्त भी जारी कर दी है। गृह मंत्रालय की सिफारिश पर यह मदद जारी हुई है। इसका इस्तेमाल क्षतिग्रस्त सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण व प्रभावित जिलों में आपदा राहत कार्यों को गति देने में होगा।अगस्त में बादल फटने व बाढ़ से प्रदेश में भीषण तबाही हुई थी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक सितंबर को आपदा प्रभावित इलाकों का दौरा किया था। इसके बाद पांच सितंबर को अंतर मंत्रालयीय केंद्रीय टीम (आईएमसीटी) जम्मू-कश्मीर आई थी। टीम ने चार दिन तक बाढ़ व भूस्खलन प्रभावित इलाकों में जाकर हुए नुकसानों का ब्योरा जुटाया था। टीम ने अपनी रिपोर्ट गृह मंत्रालय को सौंपी थी। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान भी 19 सितंबर को आपदा प्रभावित इलाकों का दौरा किया था।

हरियाणा में कैथल के शिलाखेड़ी रोड में दिल दहला देने वाली वारदात

महिला की हत्या के बाद हड्डियां तोड़ लाश को सूटकेस में भरकर फेंका

कैथल, एजेंसी

हरियाणा में कैथल के शिलाखेड़ी रोड पर ड्रेन के अंदर नीले रंग के सूटकेस में मिला महिला का शव बेरहमी की कहानी बयां कर रहा है। अनुमान है कि महिला को पहले गला दबाकर मारा गया। फिर सूटकेस में पैक करने के लिए हड्डियां तोड़ी गईं। उसके बाद लाश को ड्रेन के गंदे पानी में सड़ने के लिए फेंक दिया।

पुलिस का कहना है कि सूटकेस में पानी जाने से चेन खुल गई, जिससे लाश का एक हिस्सा बाहर दिखने लगा। तभी मामले का खुलासा हुआ। यह लाश किसकी है, अभी यह नहीं पता चला। पुलिस के पास फिलहाल पहचान कराने के 2 ही अहम सबूत हैं। एक तो मृतका की कलाई पर बना टैटू, दूसरा सूटकेस के पास ही मिले बैग से निकले 2 सूट, जिनके रैपर पर करनाल के असंध की दुकान का पता लिखा है।

जिस जगह शव मिला, वह खनौरी रोड बाईपास से सिर्फ 200 मीटर दूरी पर है। ऐसी भी संभावना है कि हत्या करने वाले लाश को किसी गाड़ी या वाहन में लाए और फेंक गए। उसके बाद रोड से आसानी से निकल गए। महिला के शव का गुरुवार को डॉक्टरों के बोर्ड द्वारा पोस्टमॉर्टम करवाया जाएगा।

प्रत्यक्षदर्शी ने बताया...एक दिन पहले भी देखा ये सूटकेस

गांव के किसान गुरपेज ने बताया कि इसी रास्ते पर उनके खेत हैं। बाइक पर कई बार आना-जाना होता है। एन दिन पहले उनकी नजर नाले में पड़े सूटकेस पर गई थी। तब ध्यान नहीं दिया। सुबह देखा तो बैग की चेन खुली हुई थी। उसमें से हाथ-पैर बाहर निकल रहे थे। ध्यान से देखा तो डेडबॉडी थी। तब पुलिस को सूचना दी।

लोग इग्नोर करके चले गए

आसपास के डेरे ढाणियों में रहने वाले लोगों ने बताया कि सूटकेस तो उन्होंने एक दिन पहले ही देख लिया था, लेकिन शुरुआत में उन्हें लगा कि किसी ने यह फटा पुराना सूटकेस ड्रेन में फेंका हुआ है। पानी के साथ आगे निकल जाएगा, इस कारण वे इसे इग्नोर करके चले गए, लेकिन अगले दिन भी सूटकेस वहीं पर पड़ा मिला। अगर यह खाली होता तो गंदे पानी में बहकर उस जगह से थोड़ा बहुत आगे जा सकता था, लेकिन सूटकेस उसी जगह पर रहा।

पुलिस को दी सूचना, जांच शुरू

जब उन्होंने सूटकेस को इसी स्थान पर देखा तो अनुमान लगाया कि इसमें कोई भारी भरकम चीज हो सकती है। कोई जहरीला पदार्थ भी हो सकता है या कोई विस्फोटक चीज भी हो सकती है। इस पर उन्होंने विचार विमर्श करके अनाज मंडी चौकी में पुलिस को कॉल किया तो पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सूटकेस को चेक किया। उसके अंदर महिला का शव मिला।

बॉर्डर पर बड़ी कार्रवाई

अवैध घुसपैठ करते तीन बांग्लादेशी नागरिक और एक भारतीय गिरफ्तार

मोतिहारी। भारत-नेपाल सीमा पर अवैध घुसपैठ का एक गंभीर मामला सामने आया है। रक्सौल बॉर्डर पर एसएसबी ने कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे तीन बांग्लादेशी नागरिकों और उन्हें बॉर्डर पार कराने में मदद कर रहे एक भारतीय नागरिक को गिरफ्तार किया है। तीनों बांग्लादेशी नागरिकों की गिरफ्तारी के बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं और उनसे गहन पूछताछ की जा रही है।यह मामला मोतिहारी जिले के भारत-नेपाल सीमा स्थित रक्सौल बॉर्डर का है। रात करीब नौ बजे भारत और नेपाल को जोड़ने वाले मैत्री ब्रिज पर एसएसबी जवानों ने नेपाल से भारत की ओर आ रहे चार लोगों को रोककर पूछताछ की। जांच के दौरान पता चला कि इनमें से तीन लोग बांग्लादेशी नागरिक हैं, जबकि चौथा व्यक्ति भारतीय नागरिक है, जो इन तीनों को अवैध रूप से भारत में प्रवेश कराने में मदद कर रहा था।

नए साल से पहले ट्रंप का दावा: टैरिफ की वजह से अमेरिका में रिकॉर्ड निवेश आया

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि टैरिफ की वजह से अमेरिका में रिकॉर्ड निवेश आया है। उन्होंने कहा कंपनियां अब अपनी फैक्ट्रियां अमेरिका में स्थापित कर रही हैं और ऐसा पहले कभी नहीं देखा गया। ट्रंप ने कहा कि इसकी वजह घरेलू स्तर पर बनाए जाने वाले उत्पादों पर टैरिफ न लगना है।

ट्रुथ सोशल पर साझा एक पोस्ट में डोनाल्ड ट्रंप ने लिखा, 'अमेरिका ने निवेश के मामले में विश्व रिकॉर्ड बनाया है और यह दूसरे स्थान पर मौजूद चीन के मुकाबले खरबों डॉलर अधिक है। इसकी एकमात्र वजह टैरिफ है और यह तथ्य है कि यदि आप अपना उत्पाद अमेरिका में बनाते हैं तो कोई टैरिफ नहीं लगता है। इसलिए हमारे देश भर में कारखाने और व्यवसाय स्थापित हो रहे हैं। इस अविश्वसनीय उपलब्धि के लिए अमेरिका को बधाई।' इस बीच अमेरिकी वित्त विभाग ने वेनेजुएला की चार तेल कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिए। यह वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो पर दबाव बनाने की राष्ट्रपति ट्रंप की नीति का हिस्सा है।

शेख हसीना की मोहम्मद यूनुस को दो टूक- साजिश करने वालों के घिनौने चेहरे हो चुके है उजागर

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में आम चुनावों से पहले बने अस्थिरता के माहौल से उपजी हिंसा फिलहाल थमती नजर आ रही है। इस बीच बांग्लादेश अवामी लीग की अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने नए साल पर एक संदेश जारी किया।

उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी पार्टी की ओर से साझा किए गए नव वर्ष संदेश में लोगों से 'देश को अंधकार के इस सफर से बचाने' के लिए एकजुट होने का आह्वान किया। बांग्लादेश अवामी लीग के

आधिकारिक एक्स हैंडल पर किए गए पोस्ट में शेख हसीना ने कहा, 'मेरे प्यारे बांग्लादेश को नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं। यह नव वर्ष बांग्लादेश के सभी लोगों के लिए असीम सद्भाव, खुशी और समृद्धि लेकर आए।' उन्होंने कहा, 'यह अतीत के दुखों और कष्टों को मिटा दे। गलतियों और कमियों को सुधारे और सभी के लिए एक यादगार वर्ष बन जाए।' शेख हसीना ने कहा, 'यह मेरा सबसे बड़ा सपना और जीवन भर का संघर्ष रहा है कि यह देश वास्तव में अपने सभी लोगों का हो- चाहे उनका धर्म, रंग, वर्ग, पेशा या जातीय पहचान कुछ भी हो।'

मेट्रो एंकर

न्यूयॉर्क में पहली बार हुआ ऐसा, जोहरान बोले- ये मेरे लिए सौभाग्य की बात

भारतीय मूल के ममदानी ने कुरान हाथ पर रखकर ली मेयर की शपथ

वाशिंगटन, एजेंसी

जोहरान ममदानी बीती रात के बाद न्यूयॉर्क शहर के मेयर बन गए। उन्होंने मैनहट्टन के एक ऐतिहासिक, बंद पड़े सबवे स्टेशन पर पद की शपथ ली। दरअसल, डेमोक्रेट ममदानी ने अमेरिका के सबसे बड़े शहर के पहले मुस्लिम नेता के तौर पर शपथ ली, शपथ लेते समय उन्होंने कुरान पर हाथ रखा था। शपथ के बाद उन्होंने कहा कि यह सच में जिंदगी भर का सम्मान और सौभाग्य है। किसने आयोजित किया ममदानी के शपथ ग्रहण समारोह का कार्यक्रम ममदानी का शपथ ग्रहण समारोह उनकी राजनीतिक सहयोगी न्यूयॉर्क अटॉर्नी जनरल लेटिटिया जेम्स द्वारा आयोजित किया गया था। यह कार्यक्रम पुराने सिटी हॉल स्टेशन पर हुआ। इसके बाद ममदानी को दोपहर 1 बजे सिटी हॉल में एक सार्वजनिक समारोह में मेयर के राजनीतिक नायकों में से एक अमेरिकी सीनेटर बर्नी सैंडर्स द्वारा भव्य तरीके से फिर से शपथ दिलाई जाएगी। बता दें कि ममदानी अब अमेरिकी राजनीति में सबसे मुश्किल कामों में से एक शुरू कर रहे हैं, और देश के सबसे ज़्यादा देखे जाने वाले राजनेताओं में से एक बन गए हैं।

बता दें कि शहर के पहले मुस्लिम मेयर होने के अलावा, ममदानी दक्षिण एशियाई मूल के पहले और अफ्रीका में पैदा हुए पहले मेयर भी हैं। 34 साल की उम्र में ममदानी कई पीढ़ियों में शहर के सबसे कम उम्र के मेयर भी हैं।

कुरान पर शपथ लेने पर आलोचना: जोहरान ममदानी को अक्सर उनके मजहब के कारण कंजर्वेटिव नेता निशाना साधते रहे हैं। जब ममदानी ने कुरान पर हाथ रखकर शपथ लेने का फैसला लिया है तो कुछ कंजर्वेटिव नेताओं को यह पसंद नहीं आया। अलबामा के अमेरिकी सीनेटर टॉमी ट्यूबरविल ने मामदानी के शपथ ग्रहण के बारे में एक समाचार लेख के जवाब में सोशल मीडिया पर लिखा, 'दुश्मन दरवाजों के अंदर है।'

वहीं, चुनाव से पहले ममदानी ने भावुक होते हुए कहा था कि वह कभी खुद को नहीं बदलेंगे। उन्होंने कहा था, 'मैं खुद को नहीं बदलूंगा। मैं कौन हूं, मैं कैसे खाता हूं या मेरा मजहब क्या है? मैं नहीं बदलूंगा।'

कौन हैं ममदानी?

जोहरान ममदानी का जन्म कंपाला, युगांडा में हुआ। वह फिल्म निर्माता मीरा नायर और शिक्षाविद और लेखक महमूद ममदानी के बेटे हैं। जब वह 7 साल के थे, तो उनका परिवार न्यूयॉर्क शहर आ गया, ममदानी 9/11 के बाद के शहर में पले-बढ़े, जहां मुसलमानों को हमेशा स्वागत महसूस नहीं होता था। वह 2018 में अमेरिकी नागरिक बन गए। गौरतलब है कि ममदानी को एक ऐसा शहर विरासत में मिला है, जो कोविड 19 महामारी से सालों की धीमी रिकवरी के बाद तरक्की कर रहा है। हिंसक अपराध महामारी से पहले निचले स्तर पर आ गए हैं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564